हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 11 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 25.5 डिग्री

12 जयस्तंभ चौक पर विदेशी उत्पादों का पुतला दहन कोल्ड्रिंक...

12 सावन बीता और पहले ही दिन शराब दुकानों में...

छात्राओं के रोजाना बेहोश होने से दहशत में स्कूल, कांप रहे हाथ-पैर, फोबिया या कुछ और...टीम करेगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

अभनपुर के अंतर्गत आने वाले कुरूं क्षेत्र के शासकीय विद्यालय में इन दिनों डर का माहौल है। यहां पिछले एक सप्ताह से नियमित रूप से छात्राएं बेहोश होकर गिर रही है। अब एक जांच टीम बनाई गई है, जो मामले की जांच करेगी। घटना के बाद से स्कूल के अन्य विद्यार्थियों के साथ ही ग्रामीणों में भी कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। मामले की जानकारी होने के बाद जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा भी जांच के लिए चिकित्सकों को पूर्व में भेजा गया था। चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में बदलाव और उमस के कारण यह स्थिति निर्मित हो रही है। एसआर बंजारे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरूं में लड़के और लड़कियां दोनों ही अध्ययनरत हैं। बेहोश होने की घटनाएं केवल लड़कियों के साथ ही हो रही है।

स्कूल प्रबंधन को आदेश दिए गए हैं कि वे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उन्हें डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए उचित प्रयास किए जाएं और जादू-टोना जैसी भ्रामक जानकारियों से दूर रहने समझाया जाया। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जांच करने तथा विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अन्य दिशा-निर्देश स्कूलों को दिए जाएंगे ताकि विद्यार्थी बगैर डर के उचित माहौल में अध्ययन कर सकें।

फोबिया है वजह

शुक्रवार को ऊपरवारा से चिकित्सकों की एक टीम जांच के लिए भेजी गई थी। एक अन्य जांच टीम का गठन किया गया है, जो सोमवार को जांच करने गांव और स्कूल जाएगी। शुक्रवार को जांच करने वाले चिकित्सकों का कहना है कि कुछ लड़कियों को बेहोश होते देखकर अन्य छात्राएं भी दहशत में आ गईं। इसके कारण उनके हाथ-पैर कांपने लगे। यह फोबिया जैसी स्थिति होती है। इसका जादू-टोना से कोई संबंध नहीं है। बेहोशी के साथ हाथ-पैर कांपने के पीछे पूर्णतः मनोवैज्ञानिक कारण है।

मामला अभनपुर के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालय कुरूं का

■ बीते एक सप्ताह से प्रतिदिन 4 से 6 छात्राएं हो रही बेहोश

प्रार्थना का समय घटाने आदेश

गर्मी और उसम के कारण छात्राओं के बेहोश होने की बात प्रारंभिक जांच में सामने आई है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को देखते हुए दो चरणों में प्रार्थना करवाने अथवा समय घटाने के लिए कहा गया है।

\- हिमांशु भारती
जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण

हमने टीम बनाई है, जो सोमवार को जांच करने स्कूल जाएगी। छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर फोबिया सहित अन्य कारणों का पता लगाया जाएगा।

\- डॉ. भारत भूषण कोसरिया
ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, अभनपुर

खबर संक्षेप

शराब खरीदने के विवाद पर चाकू से हमला

रायपुर। गंज थाना क्षेत्र में शराब खरीदने के विवाद पर दो पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू तथा बीयर की बोतल से हमला कर दिया। हमले से तीन लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, छोटा रामनगर कबीर चौक निवासी तेजपाल चौहान शनिवार की शाम करीब 5 बजे अपने दोस्त गीतेश वर्मा और तोषण साहू के साथ गंजपारा भट्ठी शराब लेने पहुंचा था। लाइन में लगे होने के दौरान गंजपारा निवासी अमन सोनी, लक्की गोप, दुर्गेश उर्फ दरवेश और तामू उर्फ तामेश्वर पहुंचे और पहले शराब लेने की बात कहकर तेजपाल को धक्का देकर पीछे करने लगे। मना करने पर आरोपियों ने तेजपाल को गाली देते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। बीचबचाव करने आए तोषण साहू तथा गीतेश के सिर पर बीयर की बोतल से वार कर दिया।

200 पौवा शराब के साथ कोचिया गिरफ्तार

रायपुर। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट व थाना विधानसभा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध रूप से शराब परिवहन करते एक कोचिया को गिरफ्तार किया है। कोचिया के कब्जे से पुलिस ने दो सौ पौवा देशी शराब जब्त की है। शराब परिवहन करते पुलिस ने गुलशन कुमार गेण्डरे को गिरफ्तार किया है। गुलशन बगैर नंबर प्लेट की दोपहिया में शराब ले जा रहा था, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा।

आपसी विवाद पर चचेरे भाइयों के बीच मारपीट

रायपुर। आपसी विवाद के चलते दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आमापारा निवासी भोलू कंडरा ने अपने चचेरे भाई चतुर कंडरा के खिलाफ अकारण मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। चतुर ने भोलू तथा उसके भाई संजू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। चतुर ने पुलिस को बताया कि चिकन दुकान संचालन के विवाद में भोलू तथा उसके भाई ने मारपीट की है।

रविवार को रेलयात्रा के लिए उमड़ी यात्रियों की भीड़

भीड़-धक्कामुक्की के बीच सफर, स्लीपर में टिकट कन्फर्म नहीं, फिर भी घुस आए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि लाइव

रक्षाबंधन के बाद रविवार को ट्रेनों, प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में दिनभर भीड़ तथा जाम जैसी स्थिति बनी रही। जनरल कोच में यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिली तो वहीं आरक्षित कोच में भी वेटिंग सूची में शामिल यात्रियों का दबाव रहा। नई व्यवस्था के तहत रेलवे ने निर्धारित सीट कोटा और तय वेटिंग के अनुसार ही बुकिंग ली थी, इसके बावजूद कई यात्री काउंटर से वेटिंग टिकट लेकर, कन्फर्म न होने पर भी ट्रेन में चढ़ गए। ऐसे यात्रियों ने ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ बढ़ाई। यह नजारा रायपुर से गुजरने वाली इंटरसिटी से लेकर सुपरफास्ट ⏭ शेष पेज 11 पर

चंद घंटों के सफर ने यात्रियों को थकाया

100 किमी दूरी के लिए किस्तों में किया सफर

रविवार को बिलासपुर से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, गोंदिया और झारसुगड़ा तक चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में यात्रियों की सर्वाधिक भीड़ रही। हरिभूमि को एक महिला यात्री ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि रायपुर जाने के लिए वह बिलासपुर से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हुईं। यात्रा जरूरी थी, भीड़ भी थी, इसलिए ⏭ शेष पेज 11 पर

इधर... तीन दिन में 500 यात्रियों पर कार्रवाई

रक्षाबंधन के दौरान भीड़ बढ़ने के साथ ही बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया। वहीं वेटिंग यात्रियों और असामाजिक तत्वों की शिकायतें भी सामने आईं। सीनियर डीसीएस अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि ट्रेनों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। यात्रियों की ओर से मिली सभी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए समस्याओं का समाधान किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले तीन से चार दिनों में 500 से अधिक यात्रियों पर कार्रवाई की गई। इनमें कई बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए तो कुछ जनरल टिकट लेकर स्लीपर कोच में सफर कर रहे थे। अवैध वेटिंग करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की गई। असामाजिक तत्वों विधिवत कार्रवाई हुई है।

अपार आईडी को स्कूल रिकॉर्ड से जोड़ना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 की बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े कुछ नए बदलाव किए हैं। अब छात्रों को अपनी अपार आईडी अर्थात अकादमिक पहचान संख्या को स्कूल रिकॉर्ड से जोड़ना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, परीक्षा और रजिस्ट्रेशन फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। साथ ही, बोर्ड ने छात्रों के लिए एक एआई तकनीक वाला डिजिटल अनुभव केंद्र बनाने की योजना भी बनाई है, जहां वे नए और रोचक तरीकों से पढ़ाई कर सकेंगे। अपार आईडी हर छात्र का एक ⏭ शेष पेज 11 पर

APAAR

■ डेटा की सटीकता बढ़ाने और डुप्लीकेशन रोकने नया प्रयोग

6.66% की बढ़ोतरी

सीबीएसई द्वारा पंजीकरण और परीक्षा शुल्क के रूप में एकत्रित राजस्व का उपयोग परीक्षा संचालन और बोर्ड द्वारा किए जाने वाले अन्य सभी खर्चों के लिए किया जाता है। आय का एकमात्र स्रोत यह शुल्क है जिसे 2020 से संशोधित नहीं किया गया है, जबकि बोर्ड का खर्च विभिन्न कारणों से कई गुना बढ़ गया है। माइग्रेशन सर्टिफिकेट जारी करने से होने वाली प्राप्तियां भी काफी कम हो गई हैं क्योंकि यह अब 2024-25 से अनिवार्य नहीं है। इसलिए अब सीबीएसई ने 2025-26 सत्र से कक्षा 9 से 12 तक के लिए परीक्षा और रजिस्ट्रेशन शुल्क में लगभग 6.66% की बढ़ोतरी की है। बोर्ड के अनुसार, खर्चों में वृद्धि और आय के सीमित स्रोतों के कारण यह संशोधन जरूरी था।

शहीद स्मारक भवन से कमाई 16 लाख, खर्च 44 लाख, पस्त निगम अब इसे ठेके पर देगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी की ऐतिहासिक धरोहर शहीद स्मारक भवन परिसर के देखरेख और संधारण करने में नगर निगम प्रबंधन पस्त हो गया है। पिछले एक साल में यहां 44 कार्यक्रमों के लिए बुकिंग कराई गई, एवज में 16 लाख रुपए राजस्व मिला, पर संचालन और संधारण में 44 लाख रुपए खर्च हुए, जिसमें बिजली बिल, सफाई का खर्चा और सुरक्षागार्ड का मेहनताना सहित अन्य तरह के खर्च शामिल हैं, यानी एक ही साल में 28 लाख रुपए का नुकसान निगम को भरना पड़ा। ऐसे में अब निगम इसे कमाऊ पूत बनाने निजी एजेंसी को 10 साल के लिए ठेके पर देगा। इससे निगम को प्रतिवर्ष कम से कम 50 लाख रुपए की अतिरिक्त आमदनी होने लगेगी।

दरअसल रायपुर नगर निगम एक अरसे से शहीद स्मारक भवन के संचालन और संधारण का खर्चा नहीं निकाल पा रहा है। आमदनी चवन्नी खर्चा रुपैया की तर्ज पर इसका संचालन व संधारण करना निगम को भारी पड़ रहा है। स्थिति ये है कि 600 सीटर क्षमता वाले इस ऑडिटोरियम ⏭ शेष पेज 11 पर

600 सीटर ऑडिटोरियम बुकिंग गिनती के पार्किंग से फूटी-कौड़ी भी नहीं मिल रही

काम संतोषप्रद होने पर 5 साल अवधि बढ़ेगी

शहर सरकार जीई रोड स्थित शहीद स्मारक भवन के सुचारू संचालन व संधारण को ध्यान में रखते हुए इससे अतिरिक्त आय बढ़ाने निजी एजेंसी को 10 साल के इस परिसर को ठेके पर देगी। ठेका एजेंसी का कार्य संतोषप्रद मिलने पर अनुबंध की अवधि को 5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। अनुबंध की शर्त अनुसार संबंधित एजेंसी को इस अवधि में प्रतिवर्ष 50 लाख रुपए नगर निगम को देना होगा।

एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर

नगर निगम का बाजार विभाग शहीद स्मारक भवन परिसर के संचालन और संधारण के लिए एजेंसी तय करने जल्द ऑनलाइन टेंडर करेगा। टेंडर में चयनित एजेंसी शहीद स्मारक भवन के छत वाली खुली जगह, पार्किंग परिसर, खुले स्थान पर अस्थायी संरचना निर्मित कर उपलब्ध रिक्त स्थानों पर पब्लिक एक्टीविटीज जैसे स्पोर्ट्स, रेस्टारेंट, फूड प्लाजा और कार्यक्रम करने वेंडर को देगी। साथ ही स्मारक के अंदर स्थित ऑडिटोरियम में पब्लिक गेदरिंग, शो, इवेंट्स के लिए बुकिंग भी करेगी। वहीं परिसर में आने-जाने वालों की गाड़ियों के पार्किंग के लिए स्पेस उपलब्ध कराएगी, जिसके एवज में पार्किंग शुल्क देय होगा। पार्किंग शुल्क रायपुर नगर निगम तय करेगा।

दूसरे राउंड के बाद खाली बची स्टेट कोटे की सीटें निजी कॉलेजों को होंगी वापस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एमबीबीएस-बीडीएस के एडमिशन में द्वितीय चरण की काउंसिलिंग के बाद स्टेट कोटे की खाली सीट निजी कॉलेज (प्रबंधन कोटे) को वापस कर दी जाएगी। साथ ही चार निजी मेडिकल कॉलेजों की एनआरआई कोटे की सीट रिक्त रहने पर उसका आवंटन राज्य के स्थानीय अभ्यर्थियों को किया जाएगा। निजी मेडिकल कॉलेजों में राज्य कोटे की 235 सीटें हैं।

■ एनआरआई की रिक्त सीटों पर स्थानीय अभ्यर्थियों को मिलेगी प्राथमिकता

मेडिकल और डेंटल कॉलेज की यूजी काउंसिलिंग की प्रक्रिया में सोमवार को संस्था चयन का अंतिम दिन है। इसके बाद प्रावीण्य सूची का प्रकाशन एवं सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रवेश नियम के अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में स्टेट ⏭ शेष पेज 11 पर

इस बैच को मिलेगी बांड सेवा में राहत

राज्य शासन द्वारा शासकीय कॉलेजों के एमबीबीएस छात्रों को बांड सेवा में बड़ी राहत प्रदान की गई है। नए बैच यानी 2025-26 के शासकीय मेडिकल कॉलेज छात्र जब अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे तो उन्हें दो के बजाय एक साल बांड सेवा पूरी करनी होगा। बांड का यह नियम निजी कॉलेज के छात्रों, बीडीएस और फिजियोथेरेपी पर लागू नहीं है। प्रवेश नियम के अनुसार सामान्य वर्ग को 25 लाख और आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 20 लाख रुपए बांड राशि देय होगी।

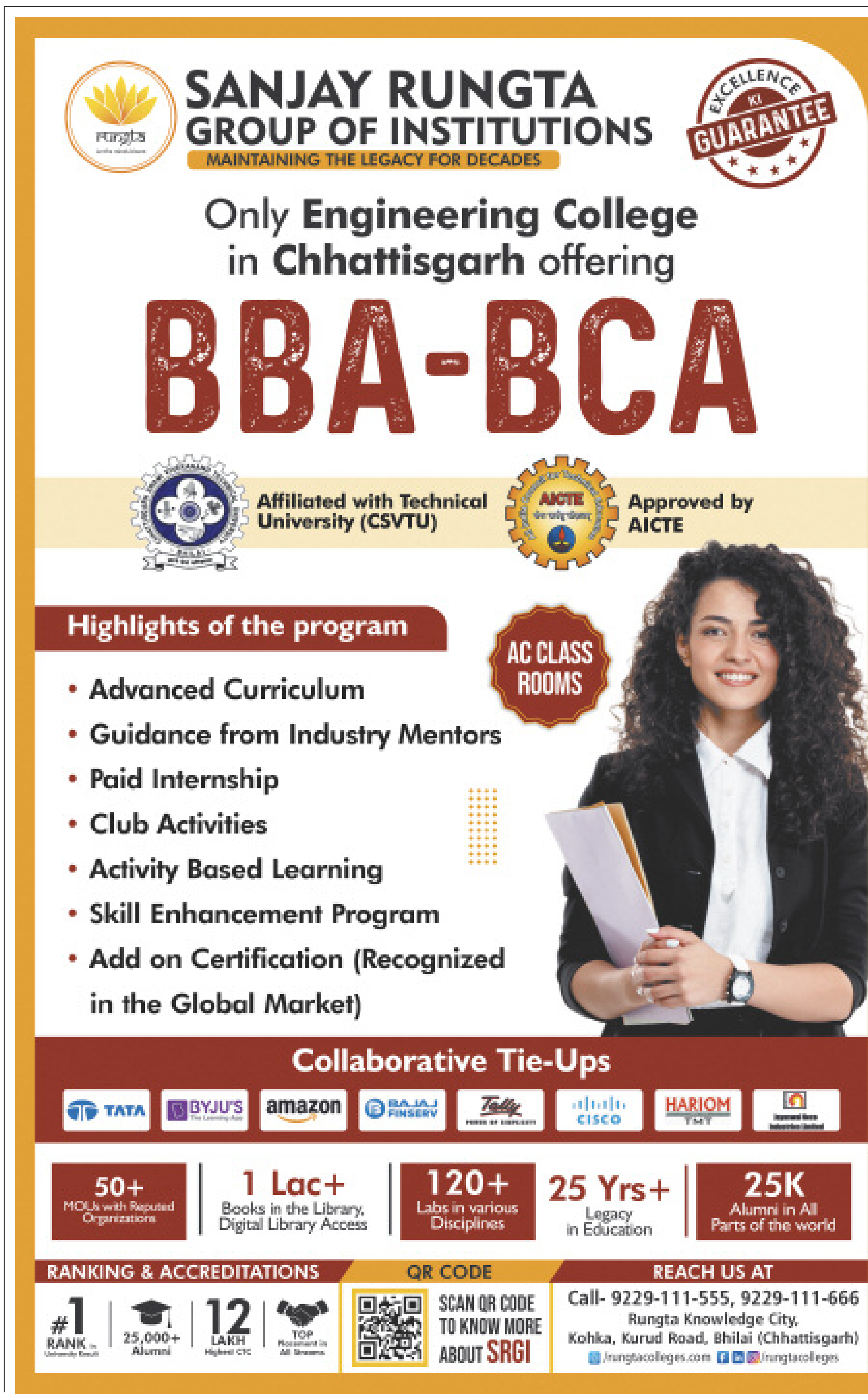

चकल्लस

पैसे दे दो, मान्यता ले लो...

देखिए, जीवन में नयापन होना बहुत जरूरी है। वो दिन लद गए जब केवल स्कूलों को मान्यता के लिए थोड़ा चाय-नास्ता करवाना पड़ता था। अब कहानी में ट्विस्ट लाते हुए कॉलेजों को भी इसमें शामिल कर लिया गया है। इस साल सभी महाविद्यालयों ने मान लिया था कि उनके नए वाले कोर्स को मान्यता नहीं मिलेगी। बेचारों ने पुराने पाठ्यक्रम में ही प्रवेश देना शुरू कर दिया था। लेकिन तभी हुआ एक चमत्कार... दिव्य वाणी उनके कानों तक पहुंचाई गई कि यदि वे गड़ा हुआ धन फलां-फलां जगह तक पहुंचाएं तो उन पर असीम कृपा होगी और उनके पाठ्यक्रमों को मान्यता मिल जाएगी। फिर क्या? मिल गई मान्यता। वैसे रेट 50 हजार चल रहा है। देखिए, यदि आपके बजट में है तो आप भी एकाध ठोक नया कोर्स खोल ही लीजिए।

तुम तो ठहरे परदेशी

एनएसयूआई से कई बड़े नेता जल्द ही विदाई ले लेंगे। ये यूथ कांग्रेस जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए संगठन में ठीक-ठाक पद पर होने के बाद भी लोग इनके पास फरियाद लेकर नहीं पहुंच रहे हैं, क्योंकि ये परदेशी हो चुके हैं। कब चले जाएं, कोई भरोसा नहीं। फिर कांहे अपने आंसू भले ही वो घड़ियाली क्यों ना हो, बर्बाद करना? वैसे एक बात समझ नहीं आती है कि यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई को अलग-अलग घोषित क्यों किया गया है? आधे से अधिक नेता तो त्रिशंकु की तरह दोनों के बीच में लटके ही रहते हैं। मतलब, कभी एनएसयूआई के कार्यक्रम में तो कभी यूथ कांग्रेस के कार्यक्रम में।

कानून का खौफ

शराब लॉबी कितनी ताकतवर हो चुकी है इसका अंदाजा रक्षाबंधन पर पब मालिकों के दुस्साहस से लगाया जा सकता है। एक महीने पहले ही लड़कियों को शराब की लत डालने के लिए ऑफर देने पर पुलिस ने एक्शन लिया था। पब मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। चेतावनी दी थी कि लड़कियों के लिए एक पैग पर एक फ्री वाला ऑफर दिया तो ठीक नहीं। लेकिन देखिए..रक्षाबंधन के दिन विज्ञापन देकर आईपी क्लब ने ऑफर दे दिया। फजीहत हुई तो पुलिस ने धमकाया। हुआ क्या...केवल इतना कि पब मालिक ने कहा ऑफर रद्द कर दिया गया है। लेकिन एक्शन...पुलिस ने कहा देखते हैं।

नेताजी का फोन

खबरी बता रहा था कि पुलिस पब मालिकों, नशा करने और कराने वालों गंजेडी-भंगेड़ियों के नट-बोल्ट टाइट करना चाहती है। लेकिन ऊपर से फोन आने लगते हैं। पब को बचाने के लिए भी रायपुर के एक दिग्गज नेताजी के दखल की खबर है। बताया जाता है कि जब भी पुलिस पब मालिकों को टाइट करती है नेताजी फोन कर देते हैं। कहते हैं, अरे, सब अपने लोग हैं। शराब ही तो पिला रहे हैं। उनका धंधा ही शराब पिलाने का है और सरकार उन्हें इसी काम के लिए तो लाइसेंस देती है। जब कपड़ों, जूते और गाड़ियों को बेचने के लिए ऑफर दिए जा सकते हैं तो शराब की बिक्री बढ़ाने के लिए क्यों नहीं।

एक भोलेनाथ, दूजे जगन्नाथ ...

शहर में हाल ही में दो नाथों की खूब चर्चा रही। एक रहे भोलेनाथ और दूसरे जगन्नाथ। नेताजी ने सबको कांवड़ यात्रा में लगा दिया। मेंबर, एक्स मेंबर, सफाई वाले, जोन वाले, और तो और, बाबू से लेकर साहब तक कामधाम छोड़कर डंडे और झंडे के जुगाड़ में लग गए। दूसरे नाथ के यहां भी रहा, जिनके बारे में जगजाहिर है कि हर काम भगवान जगन्नाथ के लिए करते हैं। इस बार नेताजी ने ऐलान कर दिया कि हर संडे उनके दरबार में घर वापसी करने वालों के हाथ-पांव वे खुद धुलवाकर स्वागत करेंगे। खबरी ने पूछा, भोलेनाथ भले या जगन्नाथ? दूसरे ने जवाब दिया, आलाकमान जिसे मंत्री बना दें, वही असली नाथ।

इंतजार कब तक ...

अमिताभ बच्चन की चर्चित फिल्म शराबी का एक गीत है, इंतहा हो गई इंतजार की, आई न कुछ खबर ... ऐसा ही कुछ कॉर्पोरेशन के अपोजिशन वाले मेंबर के साथ हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष के नाम का ऐलान करने वाले दो मेंबर को भिड़ाकर वे चुप हो गए। एक ने कहा, जब से अपोजिशन के लीडर बने, भाव तक नहीं मिल रहा। अब तक एक भी जनरल बॉडी की मीटिंग नहीं हुई, ऐसा हो जाता तो असेंबली में कम से कम अपनी धाक तो जमती। दूसरे ने कहा, कब तक इंतजार कराएंगे, अब तो क्लीयर कर दें, पब्लिक के सामने क्या मुंह लेकर जाएंगे?

उद्योग मस्त, आम उपभोक्ता पस्त

आम उपभोक्ता तो बिजली की कीमत को लेकर होंगे लेकिन प्रदेश के स्टील उद्योग की चांदी हो गई है। इनको लोड फैक्टर में 25 फीसदी की छूट मिलने का कारण इनकी बिजली घरेलू उपभोक्ताओं से भी सस्ती हो गई है, जबकि अपने राज्य में बनने वाला 80 फीसदी स्टील बाहर के राज्यों में जाता है। अब बाहर के राज्यों के लोगों को अपने राज्य से सस्ता स्टील मिलेगा और स्टील उद्योग को मिलने वाली सस्ती बिजली का खामियाजा अपने राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली की ज्यादा कीमत देकर चुकाना पड़ेगा। इस बार तो बिजली की कीमत कम बढ़ी है, लेकिन सालभर स्टील उद्योग को जो सस्ती बिजली मिलेगी, उसका करंट तो अगले साल के टैरिफ में लगेगा।

बैंक वालों की जेब कटिंग

सरकार एक तरफ लोगों को बैंक खाते खोलने प्रेरित कर रही है, दूसरी ओर बैंक प्रबंधन ग्राहकों की जेब कटिंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के सीजन में निजी क्षेत्र के एक बड़े बैंक ने सालाना स्टेटमेंट निकालने के लिए 180 रुपए वसूलने शुरू कर दिए हैं। पहले यह फ्री का काम था। बैंक वाले न्यूनतम जमा होने पर भी खाते से पैसे काट-काट कर करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। हद तो ये हो गई है कि निजी क्षेत्र के एक बैंक ने खाता खोलने के लिए 50 हजार रुपए डिपाजिट की अनिवार्य शर्त कर दी है, यानी अब गरीबों के लिए हर हाल में बैंक के दरवाजे बंद करने का काम शुरू हो गया है।

सरकारी कर्मियों का 'महतारी वंदन' !

राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना जरूरतमंद गरीब महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए मदद देने के लिए लागू की गई थी, लेकिन अब इस योजना में फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। खबरी को पता लगा है कि प्रदेश में 40 हजार से अधिक सरकारी कर्मियों और उनके परिजनों ने फर्जी तरीके से अपना वंदन करा लिया। जब इनकी पोल खुली तो सरकार अब 17 महीनों तक दी गई राशि की वसूली में लग गई है। लेकिन अब तक कोई भी ये पता नहीं लगा पाया है कि करीब डेढ़ साल तक इन लोगों का वंदन कैसे होता रहा! किसने कराया ये वंदन?

फॉरेन रिटर्न का दबदबा...

स्वास्थ्य विभाग के जिला मुख्यालय में इन दिनों फॉरेन रिटर्न डॉक्टर का जलवा लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। अपनी कुर्सी पर उनकी अनुपस्थिति और उच्चस्तर के तमाम बैठकों में उनकी मौजूदगी भी कई तरह की चर्चाओं का कारण बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुए इंसेंटिव गोलमाल में नाम शामिल होने के बाद उन्हें जिला मुख्यालय के सेफ जोन में पदस्थ किया गया था। मुख्यालय के स्टाफ के लिए बनाए गए नियम उन पर लागू नहीं होते, इसे लेकर कर्मचारियों में असंतोष का भाव है, मगर कार्रवाई के डर से कोई कुछ बोल नहीं पा रहा है।

योग्य प्रवक्ता की तलाश...

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में मीडिया को मैनेज करने के लिए योग्य प्रवक्ता की तलाश की जा रही है। पूर्व में इस जिम्मेदारी को संभालने वाले प्राध्यापक रिटायर हो चुके हैं, जिसके बाद काम संभालने के लिए एक अस्थायी प्रवक्ता की नियुक्ति की गई है। आए दिन किसी न किसी विषय को लेकर मेडिकल कॉलेज सुर्खियों में रहता है। मीडिया के बीच अपनी बातें रखना काफी महत्वपूर्ण मामला है। ऐसे में कॉलेज प्रबंधन को बचाकर मीडिया मैनेज का गुर जानने वाले प्रवक्ता की तलाश जोरों पर है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा
विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

पीएम सूर्य घर योजना में वेंडरों की लगेगी क्लास, एक-एक आवेदन का लिया जाएगा हिसाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में आवेदन तो थोक में आ गए हैं, लेकिन सोलर पैनल लगाने की रफ्तार बहुत धीमी है। इसको गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर सोमवार को वेंडरों की क्लास लेने वाले हैं। इसमें एक-एक आवेदन का हिसाब लिया जाएगा। अब तक जिन आवेदनों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, इसके बाद भी वेंडर ऐसे उपभोक्ताओं के घरों में सोलर पैनल क्यों नहीं लगा रहे हैं, इसके बारे में वेंडरों से सवाल होंगे। इसी के साथ अब सोलर पैनल लगाने के दिन भी तय किए जाएंगे। दिन तय न होने के कारण वेंडर लंबे समय तक उपभोक्ताओं को लटका कर रख रहे हैं। प्रदेश सरकार ने बिजली बिल हॉफ योजना की 400 यूनिट की सीमा को कम करके सौ यूनिट कर दिया है। इसके पीछे का कारण यह है कि प्रदेश सरकार ने बिजली बिल हॉफ से मुफ्त बिजली की तरफ कदम के नारे के साथ पीएम सूर्य घर योजना को बढ़ाने की योजना तैयार की है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने भी अपनी तरफ से सब्सिडी भी तय की है। इसमें केंद्र सरकार की तरफ से पहले से ही सब्सिडी मिल रही है।

पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर करेंगे आज समीक्षा, सोलर पैनल लगाने के दिन भी होंगे तय

अब आवेदनों की छंटनी

योजना में आवेदन करने की प्रक्रिया ऑनलाइन है। इस समय केंद्र सरकार के पोर्टल में छत्तीसगढ़ के आवेदनों की संख्या 48402 दिख रही है। लेकिन इस संख्या में कितने आवेदन सही हैं, इसकी जानकारी नहीं है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि मोर बिजली एप में भी आवेदन करने की सुविधा है। कई उपभोक्ताओं ने लॉगइन किया है और अपना नाम दर्ज किया है, लेकिन उन्होंने वेंडर ही नहीं चुने हैं, लेकिन लॉगइन करने के कारण उनकी गिनती आवेदन करने वालों में हो गई है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अब आवेदनों की छंटनी करने का काम किया जा रहा है, ताकि सोलर पैनल लगाने के इच्छुक सही उपभोक्ताओं की संख्या का पता चल सके।

20 दिनों में मिल रही सब्सिडी

योजना में उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी मिल रही है। केंद्र सरकार से एक किलोवाट पर 30 हजार, दो किलोवाट पर 60 हजार और तीन किलोवाट पर 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है। अब राज्य सरकार ने भी एक किलोवाट पर 15 हजार और दो से तीन किलोवाट पर 30 हजार की सब्सिडी तय कर दी है। केंद्र सरकार की सब्सिडी पहले एक माह मेंआ रही थी, लेकिन अब यह 20 दिनों आ रही है। इसी तरह से राज्य सरकार की सब्सिडी भी इतने ही दिनों में ही मिलने की बात की जा रही है।

पूछेंगे पैनल न लगने का कारण

वेंडरों के साथ आज बैठक करके समीक्षा करेंगे। जिन उपभोक्ताओं की सारी प्रक्रिया पूरी हो गई है, उनके घरों में सोलर पैनल न लग पाने का कारण वेंडरों से पूछा जाएगा। इसी के साथ सोलर पैनल लगाने के दिन भी तय करेंगे।

-भीम सिंह कंवर, एमडी
छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी

साव ने कहा-राहुल अनर्गल मुद्दा उठाकर भाग जाते हैं, सही साबित नहीं कर पाते

कांग्रेस नेता बोले- चुनाव आयोग के प्रवक्ता के रूप में बात कर रही भाजपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

वोट चोरी मामले में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में रविवार को लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस की स्पेशल स्क्रीनिंग भी गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों ने चुनावी गड़बड़ियों को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए।

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की बातों को गंभीर बताते हुए कहा, देश की चुनाव प्रणाली में गड़बड़ियां साफ दिखाई दे रही हैं। साथ ही दावा किया कि चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुई हैं और चुनाव आयोग जवाब देने से बच रहा है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने जो तथ्य रखे हैं, वे गंभीर और प्रामाणिक हैं। चुनाव आयोग को इसका जवाब देश की जनता को देना चाहिए।

प्रदेश और जिलों में स्क्रीनिंग

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के निर्देश पर सभी जिलों में राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस की रिकॉर्डिंग दिखाई गई। रायपुर में इस स्क्रीनिंग के दौरान सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू, ताम्रध्वज साहू, अमितेश शुक्ल, छाया वर्मा, सुशील आनंद शुक्ला, विकास उपाध्याय, प्रमोद दुबे, पंकज शर्मा एवं जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए।

मिलीभगत के बिना गड़बड़ी संभव नहीं : ताम्रध्वज

पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा, चुनाव आयोग की मिलीभगत के बिना इस तरह की गड़बड़ी संभव नहीं है। एक ही व्यक्ति का नाम और फोटो मतदाता सूची में कई जगह है। बीजेपी चुनाव आयोग के प्रवक्ता की तरह बात कर रही है, जबकि जवाब आयोग को देना चाहिए।

चुनाव आयोग डिजिटल डाटा सार्वजनिक करे : धनेंद्र

पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक डेटा को तुरंत सार्वजनिक किया जाए। सीसीटीवी फूटेज को सार्वजनिक किया जाए और राहुल गांधी के सवालों का जवाब दिया जाए। केंद्रीय चुनाव आयोग और बीजेपी मिलकर सरकार बना रही हैं। मतदाता सूची में सैकड़ों गड़बड़ियां हैं, जिन्हें राहुल गांधी ने उजागर किया। पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने कहा, बार-बार बीजेपी का आयोग की ओर से बोलना, दोनों की मिलीभगत को दिखाता है।

राहुल के सवालों का जवाब दे चुनाव आयोग : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, राहुल गांधी ने 7 अगस्त को एआईसीसी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान और भी स्पष्ट रूप से रखा। जहां उन्होंने मतदाता सूची में भयानक अनियमितताओं का खुलासा किया। उनके खुलासे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि किस हद तक और कितनी सटीकता से चुनावी धोखाधड़ी की जा रही है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र की स्वतंत्र जांच पर आधारित हैं। जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में कांग्रेस 7 में से 6 विधानसभा क्षेत्रों में विजयी रही, जबकि भाजपा केवल एक विधानसभा क्षेत्र महादेवपुरा में भारी बहुमत से जीती और इसी के आधार पर उसे लोकसभा सीट मिल गई। अब यह सामने आया है कि केवल इस एक विधानसभा क्षेत्र में ही 1,00,250 वोटों के साथ धांधली की गई।

चुनाव आयोग को सबूत पेश करें राहुल : साव

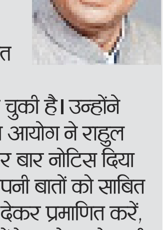

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वोटर लिस्ट मामले में कांग्रेस को कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी अनर्गल मुद्दे उठाकर भाग जाते हैं, अपनी बात को सही साबित नहीं कर पाते। उनकी इस पुरानी आदत को देश की जनता जान चुकी है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को बार बार नोटिस दिया कि आप अपनी बातों को साबित करें। सबूत देकर प्रमाणित करें, लेकिन उन्होंने आयोग को अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। उल्टे वे कहते हैं कि मैंने संविधान की शपथ ली है, इसलिए मेरी बात को सही मानो। आप जो कहेंगे, उसे कैसे सही माना जाए, इसे तो सबूत देकर साबित करना पड़ेगा।

गोदड़ीवाला धाम में वर्सी महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

रायपुर। गोदड़ीवाला धाम देवपुरी में तीन दिवसीय 26 से 28 सितंबर तक संत बाबा हरदास राम साहिब का 34वां वर्सी महोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सभी सेवादारों की सामान्य सभा हुई। सेवादार अमर गिदवानी एवं पवन प्रीतवानी ने बताया, बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भारतवर्ष के सभी संतों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही भगत मंडलियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिसमें मथुरा, वृंदावन, जलगांव, मुंबई, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के भगत मंडलियों का आगमन होगा। विशेष रूप से मथुरा वृंदावन के मनमोहन महाराज का सत्संग होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के 11 धाम के अलावा भारतवर्ष के 70 धामों से श्रद्धालु पहुंचेंगे, उनके आवास, भोजन एवं भजन-कीर्तन की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। बैठक में दरबार की सेवादारी हरि इसरानी, सतीश थौरानी, अमर गिदवानी, पवन प्रीतवानी, घनश्याम मखीजा, सुशील केसवानी, दिनेश दावानी, दिलीप इसरानी, श्याम केसवानी, शिवा खूबचंदानी, कमल खूबचंदानी, गोपी किंगरानी, गन्नू काशवानी, सुनील काशवानी, रॉकी काशवानी, इंदु थारानी, हरीश कोडवानी, गंगाराम मंघाराम कुकरेजा आदि शामिल रहे।

जगन्नाथ सेना का शहर भ्रमण और धर्मजागरण अभियान शुरू

रायपुर। श्री जगन्नाथ सेना के तत्वावधान में भव्य शहर भ्रमण एवं धर्मजागरण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सनातन समाज में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम की शुरुआत जगन्नाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद रैली तेलीबांधा, मरीन ड्राइव होते हुए शहर की विभिन्न उत्कल बस्तियों में पहुंची, जहां स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें अपने धर्म और परंपराओं के प्रति जागरूक किया गया। रैली में बुजुर्गों और युवाओं की सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर गया। सेना के संस्थापक एवं विधायक पुरंदर मिश्रा के मार्गदर्शन में यह अभियान प्रत्येक रविवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।

एनएसयूआई के भरोसे विरोध-प्रदर्शन अंततः रायपुर युवा कांग्रेस कमेटी भंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

यूथ कांग्रेस में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर जिले की पूरी कार्यकारिणी को ही भंग कर दिया गया है। प्रदेश महासचिव व जिला प्रभारी आदिल आलम तथा शहर जिलाध्यक्ष विनोद कश्यप ने आदेश जारी कर रायपुर शहर जिला युवा कांग्रेस की पूरी कमेटी एवं विधानसभा इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार निष्क्रियता के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। कुछ दिनों पूर्व यूथ कांग्रेस के आधिकारिक व्हॉट्सऐप ग्रुप को भी डिलीट कर दिया गया था। कई तरह की चर्चाएं शुरू होने के बीच उस वक्त ही स्पष्ट कर दिया गया था कि संगठन में नए सिरे से नियुक्ति की तैयारियां हैं। अब इस दिशा में कदम उठाते हुए रायपुर जिले की कमेटी को भंग कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, अगस्त माह के अंत तक नई नियुक्तियां होने की संभावना है। रायपुर के साथ ही अन्य जिलों में भी नए सदस्यों को जोड़े जाने के साथ पुराने निष्क्रिय पदाधिकारियों को अलविदा करने की तैयारी की जा रही है।

सूचना के बाद भी उपस्थिति नहीं

राजधानी होने के बाद भी यूथ कांग्रेस के कार्यक्रम, धरना-प्रदर्शन में आशानुरूप भीड़ नहीं जुट पाती है। अधिकतर विरोध-प्रदर्शन में आधे से अधिक कार्यकर्ता एनएसयूआई के ही होते हैं। सूचना दिए जाने के बाद भी कार्यकर्ता और पदाधिकारी कार्यक्रमों में शामिल नहीं होते हैं। अब यूथ कांग्रेस में अनुशासन बनाने की कोशिश की जा रही है। मीडिया विभाग अध्यक्ष तुषार गुहा ने बताया, लंबे समय से संगठन के कार्यक्रमों में पदाधिकारियों व विधानसभा इकाई की भागीदारी नहीं हो रही थी।

स्वदेशी सुरक्षा-स्वावलंबन अभियान में शामिल हुआ चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के जयस्तंभ चौक पर रविवार को स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। चैंबर कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अभियान में हिस्सा लेते हुए स्वदेशी उत्पाद के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है। चैंबर कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया ने इस मौके पर कहा कि स्थानीय व्यापारियों को स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल और प्रचार में आगे आना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो पाएगा, जब हम सभी मिलकर स्वदेशी को अपनाएंगे और विदेशी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम करेंगे। श्री बरड़िया ने छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स की ओर से इस अभियान को पूरा समर्थन देने की बात कही।

चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सलूजा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें स्थानीय उत्पादों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

1.41 लाख किसानों को फसल बीमा मुआवजा, मिलेंगे 152 करोड़ बैंक खाते में आएगी राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के एक लाख 41 हजार 879 पात्र बीमित किसानों को कुल 152 करोड़ 84 लाख 62 हजार रुपये का दावा राशि का भुगतान राष्ट्रव्यापी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाएगा। जिसमें खरीफ सीजन 2024 के 33 हजार 943 पात्र किसानों को 10 करोड़ 25 लाख 97 हजार रुपये तथा रबी सीजन 2024-25 के एक लाख 7 हजार 936 पात्र किसानों को 142 करोड़ 58 लाख 65 हजार रुपये का दावा भुगतान शामिल है।

किसानों की आर्थिक सुरक्षा प्राथमिकता-साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि किसानों की आर्थिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे प्रभावी कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल हानि से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह दावा भुगतान हमारे कृषकों के विश्वास और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करेगा। हमारी सरकार खेती को लाभकारी बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक तकनीक के प्रसार और फसल विविधीकरण के माध्यम से प्रदेश की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पित है।

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बारिश के थमने किसानी प्रभावित, किसान चिंतित

आरंग। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में खेती किसानी का काम जोर-शोर चल रहा है। वहीं आरंग अंचल में भी किसान खेतों की निदाई चलाई के कार्यों में जोर शोर से लगे हुए हैं। लंबे समय से बारिश नहीं होने से किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देने लगे हैं। खेतों में पानी सूख जाने से खेतों में खरपतवार उगने लगे हैं। जिससे किसानों को चिंता बढ़ने लगे हैं। क्योंकि खरपतवार बढ़ने से निदाई का काम और खर्च बढ़ जाता है। वहीं उमस भरी भारी गर्मी से लोग परेशान हैं। किसानों को बारिश का बेशब्री से इंतजार है। कृषकों का कहना है सप्ताह भर के भीतर पानी नहीं गिरा तो फसलों का उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे में धरती के भगवान कहे जाने किसान आसमान ताक रहे हैं।

ग्राम चपरीद में हुई मेगा पालक शिक्षक बैठक

आरंग। शासकीय नवीन प्राथमिक शाला चपरीद में मेगा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शाला विकास से संबंधित योजनाओं की जानकारी पलकों को दी गई एवं सुधार की दिशा में पालकों ने भी सहयोग देने की बात कही। इस अवसर पर प्रधान पाठक मृणाल पांडे, सहायक शिक्षक कोमल ध्रुव, पूर्णिमा इंदौरिया सहित 50 से अधिक पालकों की उपस्थिति रही।

पिपरहट्टा में किया गया पौधारोपण

आरंग। जनपद पंचायत आरंग के तहत फूल चौक पिपरहट्टा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत ग्रामीणों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर कुंजबिहारी वर्मा सरपंच, मनहरण लाल वर्मा, ताम्रध्वज वर्मा, पीताम्बर निषाद, गंगा प्रसाद वर्मा ने फूल चौक पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का निर्णय लिया गया।

रविदासनगर में आज सरस्वती संस्कार केंद्र का करेंगे शुभारंभ

आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ संदीप जैन अपने पिता डॉ महेश चंद्र जैन की पावन स्मृति में 11 अगस्त को नगर की सबसे पिछड़े बस्ती रविदास नगर मे सरस्वती संस्कार केंद्र प्रारंभ करने जा रहे हैं जो सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर एवं सरस्वती शिशु मंदिर आरंग के मार्गदर्शन में चलेगा। डॉ. संदीप जैन कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा मेरे पिता श्री जीवन भर समाज की सेवा करते रहे आज उनके पावन स्मृति में बच्चों के लिए निःशुक संस्कार केंद्र प्रारंभ करना उनके सेवा कार्य एवं संस्कारों को आगे बढ़ाना है।इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विद्या भारती के संगठन मंत्री डा देवनारायण साहू, आरंग नगर के छ्ग शासन चर्मकार शिल्प बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुवकुमार मिर्धा, अनिल सोनी प्रदेश सचिव कनौजिया सुनार समाज छत्तीसगढ़ एवं पूर्व अध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि नगर पंचायत खरोरा का आतिथ्य तथा सरस्वती संस्कार केंद्र के प्रान्त प्रमुख चंद्रकुमार डड़सेना का मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो इस सेवा कार्य के विस्तार में अहम भूमिका निभाएंगे। साथ हीसरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, व्यवस्थापक राजेश साहू, कोषध्यक्ष गणेश साहू, प्रधानाचार्य नितेश्वरी लोधी सहित समिति के सदस्य गण एवं स्टाफ़ संस्कार केंद्र के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

10वीं-12वीं के टॉप टेन में शामिल होने विद्यार्थियों को करनी होगी कड़ी मेहनत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

शासकिय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसदा (पलौद) में एक पेड़ माँ के नाम साथ ही मेधावी छात्र सम्मान, साहित्यिक कवि सम्मेलन रखा गया था जिसमें गुरु खुशवंत साहेब आरंग विधायक का एनसीसी केडर के विद्यार्थीयो ने जबरदस्त तरीके से ससम्मान मंच तक ले गए। विधायक ने अपने उद्बोधन में परेड सलामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने विद्यार्थियों के 10वीं और 12वीं की प्रतिशत देखकर भी खुश हुए। आगे थोड़ा और मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया जिससे इस स्कूल के बच्चे टॉप टेन में शामिल हो सके। साथ ही उन्होंने रसोइये और स्वीपर का सम्मान किया, स्कूल के रंग रोहन और विद्यार्थियों के बैठने के लिए चबुतरा निर्माण की तारीफ की। आगे इस स्कूल स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने के लिये सहयोग देने अपना समर्थन दिया।

वंदे मातरम की प्रस्तुति से देशभक्ति भावना जागी : समाज मे ऐसे लोगो का सम्मान करना भगवान के सम्मान करना होता है। इस स्कूल का रंग रोहन और अनुशासन बाकी स्कूलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत होना चाहिए। आरंग विधानसभा के हर स्कूलों को सामूहिक नेतृत्व से बेहतर बनाने की बात कही साथ मे कवि मीर अली मीर ने शारदे मा को स्मृति करते हुए जय देवी शारदे माँ के साथ अपना गीत प्रस्तुत किया। जिससे विद्यालय परिसर में सभी भावुक हो गए साथ मे देश भक्ति गीत वंदे मातरम के साथ देशभक्ति के प्रेरित किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू, जनपद उपाध्यक्ष रविन्द्र रिंकू चन्द्राकर, मंडल अध्यक्ष टेशवन बघेल, सहायक संचालक संस्कृत विद्यामंडल अमित शुक्ला, कवि रामेश्वर वैष्णव, कवि मीर अली मीर, नया रायपुर सरपंच संघ के अध्यक्ष व ग्राम पंचायत पलौद के सरपंच हेमकुमार मार्कण्डेय, जनपद सदस्य हीरमोतिन जांगड़े, सरपंच परसदा प्रीत कुमार जांगड़े, सरपंच सेंध सुनीता जितेंद्र साहू, सरपंच कुहेरा राजेश साहू, महामंत्री मनोज यादव, डॉ कौशल तारक, दीपक बंजारे, शैलेन्द्र जांगड़े, साकेत चन्द्राकर, मोनू निर्मलकर, जनभागीदारी समिति के सदस्य शिक्षक-शिक्षिकाए एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विधायक खुशवंत गुरु ने एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

कीचड़ से विद्यार्थियों को शीघ्र मिलेगी मुक्ति

बरसात के मौसम में स्कूल मैदान में कीचड़ होने से बच्चों को बहुत परेशानी होती है जिससे विधायक जी जल्द से जल्द पेवर ब्लॉक लगवाने के लिए आश्वाशन दिया गया विधायक द्वारा विद्यालय परिवार के समर्थन और इस प्रकार बहुआयामी आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ विद्याथियों का मनोबल भी सुदृढ़ हुआ ऐसे आयोजन समाज निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होता है। साथ ही कवि रामेश्वर वैष्णव ने रचनात्मक प्रस्तुति कर विद्यार्थियों को नयी दिशा देने का प्रयास वैष्णव की कविता विधायक जी को बहुत खुश हो गए। साथ मे नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान चलाने वाले संजय शर्मा ने स्कूल के प्राचार्य को सदैव विद्यार्थी हित में कार्य करने के लिए सहयोग करने के लिए कहा, स्वीपर और रसोइए जैसे लोगो का सम्मान होना जनभागीदारी की सक्रियता का प्रमाण है।

पहल: छत्तीसगढ़ सरकार के सराहनीय निर्णय का किसानों ने किया स्वागत

गौठान बनेगा अब गौधाम, चरवाहों को 11 और गौसेवकों को 13 हजार मिलेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में पशुपालन व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गौठान योजना को अब "गौधाम" स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत गौधाम में कार्यरत चरवाहों को 11,000 व गौसेवकों को 13,000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही गौधाम में रहने वाले प्रत्येक पशु के रख-रखाव व चारे के लिए प्रति जानवर के हिसाब से राशि निर्धारित की गई है, जिससे पशुओं को समय पर आहार एवं उचित देखभाल मिल सके।

- पशुओं को समय पर आहार एवं उचित देखभाल मिलेगी और सेहत पर दिया जाएगा ध्यान

पशुओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण का रखेंगे ध्यान

जानकारी के अनुसार, गौधाम योजना में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि वहां के पशुओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चारा, पानी, टीकाकरण एवं उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी। इस पहल से ग्रामीणों को पशुपालन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी मिलेंगे, वहीं पशुधन की संख्या और गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। जनपद पंचायत आरंग के गांवों के किसानों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और पशुपालकों के जीवनस्तर में सुधार लाएगा। किसानों का मानना है कि गौधाम संचालित होने से न केवल आवारा पशुओं की समस्या कम होगी, बल्कि गोवंश संरक्षण को भी नई दिशा मिलेगी। आरंग के जनपद सदस्य व किसान प्रीतम साहू ने कहा कि मानदेय और प्रति जानवर रख-रखाव की राशि तय होने से पारदर्शिता आएगी और पशुपालन में रुचि बढ़ेगी। श्री साहू ने उम्मीद जताई कि इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ एक बार फिर गोसंवर्धन के क्षेत्र में मिसाल कायम करेगा। ग्राम पंचायत रीवा के उपसरपंच व प्रगतिशील किसान सूरज साहू ने कहा कि यह निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और पशुपालन को लाभकारी बनाएगा। बंद पड़ी गौठानों को पुनः जीवंत करने का यही सही तरीका है।

मानदेय से बढ़ेगा मनोबल

ग्राम पंचायत संडी के पूर्व सरपंच व किसान महेश साहू बोले पहले संसाधनों की कमी से गौठानों में दिक्कत होती थी, अब गौधाम में सभी सुविधा मिलेगी। ग्राम कुकरा के किसान व पशुपालक ईश्वरी साहू ने कहा कि मानदेय और प्रति पशु सहायता राशि से चरवाहों का मनोबल बढ़ेगा और पशुओं को समय पर चारा-पानी मिलेगा। ग्राम पंचायत बड़गाँव की महिला किसान व जनपद पंचायत आरंग के महिला बाल विकास के सभापति रेखा कृपाल यादव बोलीं इससे महिलाएं भी जुड़कर रोजगार पा सकेंगी, क्योंकि गौधाम में देखरेख का काम महिलाएं भी बखूबी कर सकती हैं। सहकारी समिति नारा के अध्यक्ष व किसान त्रिलोचन साहू ने कहा कि अगर योजना का क्रियान्वयन सही तरीके से हुआ तो गांव के पशुपालकों को बाहर रोज़गार खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्राम पंचायत पलौद के सरपंच व किसान हेमकुमार मार्कण्डेय ने राय दी कि गौधाम संचालन में पंचायत की भागीदारी जरूरी है, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचे।किसानों का मानना है कि यह पहल न केवल पशुपालन को बढ़ावा देगी, बल्कि ग्रामीण रोजगार, कृषि और स्वावलंबन के नए रास्ते खोलेगी।

पालक-शिक्षक बैठक बच्चों के विकास के लिए बेहतर संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

समीपस्थ ग्राम खैरखूँट हाईस्कूल में शासकीय प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला, हायर सेकेंडरी स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पालकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पालको को बच्चों की प्रगति से अवगत कराने पालक शिक्षक का मेगा बैठक आयोजित किया गया। बैठक में छात्र दिनचर्या, घर का वातावरण, बच्चों को आज क्या सीखाया, बच्चों की अकादमिक प्रगति एवं परीक्षा पर चर्चा, बस्ता रहित शनिवार आदि पर चर्चा पालक, जनप्रतिनिधि व शिक्षकों के साथ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सरपंच यशोदा साहू, उपसरपंच कमलेश साहू, हाई स्कूल शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष घनश्याम निषाद, सोसायटी अध्यक्ष रोमलाल साहू, पूर्व जनपद सदस्य रतन चंद निषाद, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र जांगड़े, ज्योतिष साहू, गिरधर साहू, महावीर यादव, दौलत यादव, प्रीति साहू, रुखमणी शिवारे, पुष्पा साहू, रेखा सेन, डागेश्वरी साहू, कुंती साहू, मेघनाथ यदु, प्रेमलाल निषाद, नैनुराम साहू, ढाकेश्वरी यादव, प्रभा वर्मा, गीता साहू, जयश्री साहू, तारा साहू, वीरेंद्र साहू, संकुल समन्वयक विजय कुमार तिवारी, हाई स्कूल प्रभारी प्राचार्य स्वरूपानंद लदेल, पूर्व माध्यमिक शाला प्रभारी प्रधान पाठक पी एन वर्मा, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक रोशन लाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में पालक व शिक्षक गण उपस्थित थे।

बारिश थमी और फसलें प्रभावित गंगरेल से पानी छोड़ने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

गंगरेल के कमांड क्षेत्र में बीते लगभग 10 दिनों से मानसून ब्रेक की स्थिति व खंडवृष्टि के चलते खेतों में खड़ी धान की फसल को सिंचाई पानी की आवश्यकता महसूस होने के साथ - साथ गंगरेल से सिंचाई पानी छोड़ने की मांग भी शुरू हो चला है। दो - तीन दिनों के भीतर व्यापक बरसात न होने व खंडवृष्टि से वंचित कमांड क्षेत्र के ग्रामों में सिंचाई पानी की दरकार के मद्देनजर बंगोली सिंचाई उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले सिंचाई पंचायतों के पूर्व अध्यक्षों ने बीते कल शुक्रवार को आहूत बैठक में गंगरेल से सिंचाई पानी छोड़ने की मांग का निर्णय ले रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपने अधिकृत किया था जिन्होंने जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप को मेल से ज्ञापन भेजने के साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को मांग से अवगत करा दिया है। ज्ञातव्य हो कि बीते 8- 10 दिनों से मानसून ब्रेक की स्थिति बनी हुयी है।

- अंचल में 8-10 दिनों से पानी नहीं गिरा, किसान चिंतित

इसी के मद्देनजर किसानों द्वारा ध्यानाकर्षण कराये जाने पर सिंचाई पंचायतों के पूर्व अध्यक्षों की एक बैठक आहूत की गयी। बैठक में चिंता राम वर्मा, थानसिंह साहू, हिरेश चंद्राकर, मनमोहन गुप्ता, गोविंद चंद्राकर, भूपेंद्र शर्मा, प्रहलाद चंद्राकर, तुलाराम चंद्राकर, धनीराम साहू, भारतेन्दु साहू व योगेश चंद्राकर मौजूद रहे।

बारिश थमी, रोपाई-बियासी अटकी, गंगरेल से तत्काल नहर पानी की मांग

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के तिल्दा राज प्रधान व किसान नेता ठाकुर राम वर्मा ने गंगरेल से पानी छोड़ने की मांग की। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज प्रधान व किसान नेता ठाकुर राम वर्मा ने कहा कि वर्तमान में किसानों का कृषि कार्य अभी पूरा नहीं हो पाया है , कई क्षेत्रों में रोपाई का काम भी नहीं हो पाया है, साथ ही बरसात के मौसम में अभी पानी नहीं गिरने से और तेज गर्मी व तेज धूप के चलते खेत सूख गए हैं जिससे किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज प्रधान व किसान नेता ठाकुर राम वर्मा ने कृषि मंत्री सहित कलेक्टर रायपुर से मांग की है कि अति शीघ्र गंगरेल से पानी छोड़ा जाए जिससे किसानों को इसका लाभ मिल सके, उन्होंने कहा की कृषि कार्य अभी पूर्ण रूप से क्षेत्र में नहीं हो पाया है, भीषण गर्मी व तेज धूप के चलते खेत सूख गए हैं जिससे किसानों के बीच व्यापक चिंता व्याप्त हो गई है, किसान काफी चिंतित हो गए हैं। किसान नेता ठाकुर राम वर्मा ने अति शीघ्र गंगरेल से पानी छोड़ने की मांग की है, उन्होंने मंत्री टंक राम वर्मा से भी आग्रह किया है कि इस और पहल करें। जिससे क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल सके।

पेज 09 के शेष...

भीड़-धक्कामुक्की के...

ट्रेनों तक में देखने को मिला। हरिभूमि ने भी इस भीड़ का जायजा लेने के लिए भाटापारा से रायपुर तक छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में सफर किया। भाटापारा स्टेशन पर जैसे ही छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस पहुंची, ट्रेन के दरवाजों पर पहले से ही यात्रियों का जमावड़ा नजर आया।
कोच के अंदर 120 से ज्यादा यात्री पहले से ही ठसाठस भरे थे। रायपुर जाने के लिए ट्रेन में चढ़ना मानो चुनौती बन गया। कई यात्री तो जैसे-तैसे गेट तक पहुंचे, लेकिन भीड़ और उमस भरी गर्मी के कारण अंदर की ओर बढ़ ही नहीं पाए। गेट के पास करीब 15 यात्री खड़े, पसीने से तरबतर, किसी तरह संतुलन बनाकर खड़े थे। धक्कामुक्की के बीच 4 लड़कियां तिल्दा स्टेशन पर ही उतरने को मजबूर हो गईं। दूसरी ओर स्लीपर कोच का हाल भी इससे अलग नहीं था, गलियारे और गेट पर बैठकर और खड़े होकर यात्री सफर कर रहे थे। कुछ लोग कंफर्म टिकट धारकों से निवेदन कर उनकी सीट पर बैठ गए। कई वेटिंग टिकटधारी भी भीड़ में घुस आए। टीटीई ने जांच करने के दौरान उन्हें जनरल कोच में भेजा। पूरी यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए टिकट जांच अभियान लगातार जारी रहा, लेकिन भीड़ का दबाव कम होने का नाम नहीं ले रहा था। एक पीएनआर, चार यात्री और सिर्फ एक सीट रायपुर से गुजरने वाली सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में भी ठसाठस भीड़ का मंजर दिखा। लोकल, इंटरसिटी के साथ हावड़ा-मुंबई, संपर्क क्रांति, गोंदवाना, पुरी-अहमदाबाद, गीतांजलि, दुर्ग-नौतनवा और मुंबई रूट की ट्रेनों के स्लीपर कोच यात्रियों से खचाखच भरे रहे। टिकट कन्फर्म न होने पर यात्री प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेन के अंदर तक टीटीई से सीट के लिए सिफारिश करते नजर आए। जिन कोच में भीड़ अधिक थी, उनमें टीटीई ने वेटिंग यात्रियों को बाहर निकाला और जहां सीट खाली मिली, वहां उन्हें बैठाया भी। कई यात्रियों ने एक ही सीट पर सफर साझा किया, कुछ मामलों में एक पीएनआर में चार टिकट थे, जिनमें सिर्फ एक सीट कन्फर्म थी, नतीजतन चारों को एक ही सीट पर बैठना पड़ा। इससे कोच में भीड़ और ज्यादा बढ़ गई। भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे ने ट्रेनों में लगातार टिकट जांच अभियान चलाया, लेकिन कोच से लेकर प्लेटफॉर्म तक भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही थी।
स्टेशन परिसर में वाहनों का लंबा जाम
रविवार को ट्रेन से लेकर घर पहुंचने तक का सफर यात्रियों के लिए थकान भरा साबित हुआ। ट्रेन और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ इतनी थी कि सीढ़ियों से एक तरफ से दूसरी तरफ जाना भी मुश्किल हो गया। स्टेशन से बाहर निकलते ही चारों ओर गाड़ियों का लंबा जाम नजर आया। एक्सप्रेस-वे से बाहर निकलने तक वाहन खड़े रहे। यात्रियों को ऑटो लेने के लिए पूरी तरह से स्टेशन परिसर से बाहर जाना पड़ा।

100 किमी दूरी के...

जैसे-तैसे ट्रेन में चढ़ तो गईं, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि ठीक से खड़े होना भी मुश्किल हो रहा था। ट्रेन चलने के बाद असहज महसूस होने पर वे भाटापारा में उतर गईं।उन्होंने आगे बताया "सोचा इंटरसिटी एक्सप्रेस से रायपुर जाऊंगी, क्योंकि बिलासपुर के बाद उसका पहला स्टापेज भाटापारा है तो भीड़ कम होगी, लेकिन जब इंटरसिटी भाटापारा पहुंची तो उसमें छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भी ज्यादा भीड़ थी। इस तरह किस्तों में सफर कर 4 घंटे में रायपुर पहुंचीं।

अपार आईडी को स्कूल...

स्थायी और यूनिक डिजिटल अकाउंट होता है, जिसमें उसकी पूरी शैक्षणिक जानकारी एक जगह संग्रहित होती है। सीबीएसई के मुताबिक, इससे डेटा की सटीकता बढ़ेगी और डुप्लीकेशन की समस्या खत्म होगी। अब स्कूलों को कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्रों की अपार आईडी बनवानी होगी ताकि परीक्षा से पहले इनका रिकॉर्ड पक्का हो सके।

शहीद स्मारक भवन से...

की सालभर में गिनती की बुकिंग हो रही है, जबकि बिजली बिल, परिसर की सफाई, सुरक्षागार्ड के वेतन सहित अन्य खर्चों को मिलाकर 3 गुना ज्यादा रकम की भरपाई करनी पड़ रही है। अभी तक पार्किंग की निशुल्क व्यवस्था है, इससे फूटी-कौड़ी भी निगम को नहीं मिल रही है।

दूसरे राउंड के बाद...

कोटे के साथ प्रबंधन एवं एनआरआई कोटे की एडमिशन की प्रक्रिया पूरी कराएगा। राज्य के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 235 सीटें राज्य कोटे की हैं। इसके अलावा दंत चिकित्सा के 6 निजी महाविद्यालयों में 300 सीटें राज्य नियतांश की हैं। दो राउंड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद भी अगर राज्य कोटे से निजी कॉलेजों को अभ्यर्थी नहीं मिलते हैं तो उक्त सीटों को प्रबंधन नियतांश में तब्दील कर दिया जाएगा। इसके बाद काउंसिलिंग का मॉपअप और स्ट्रे वैकेंसी राउंड में एडमिशन उसी कोटे से पूरा होगा। नियम में किए गए संशोधन के बाद इस दो राउंड के प्रवेश के बाद भी अगर अप्रवासी भारतीय कोटे की सीटें खाली रह जाती हैं तो उसमें एडमिशन का लाभ स्थानीय अभ्यर्थियों का मिलेगा। हालांकि जानकार सूत्रों का दावा है कि करोड़ रुपए से ज्यादा फीस वाली इस कोटे की सीट कभी खाली नहीं रहती है।

बीएनबी विद्यालय का आयोजन, प्रतिभा को मिला मंच

कला उत्सव को नृत्य और नाटक से विद्यार्थियों ने सजाया

तिल्दा नेवरा। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बद्रीनारायण बगड़ियि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा में विकास खण्ड स्तरीय कला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ भारती, छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा एवं वंदन से हुई इस अवसर पर मुख्य अतिथि शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये उत्सव बाल प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर निखारने के उद्देश्य से आयोजित किये जाते हैं उन्होंने प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र विकसित भारत श्रेष्ठ 2047 के विजन में इस तरह के कला उत्सवों का भी योगदान रहेगा। भाजपा शहर मंडल उपाध्यक्ष सौरभ जैन ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास की एक महत्वपूर्ण पहलू है कला व संस्कृति इस आयोजन के माध्यम से बच्चों में अपनी संस्कृति की समझ विकसित होने के साथ अभिव्यक्ति व प्रस्तुतिकरण की क्षमता में वृद्धि होगी उन्होंने तिल्दा नगर में सबका अभिनंदन करते हुए विकासखण्ड के समीपस्थ व दूरस्थ विद्यालयों से सहभागी शाला परिवारों की सराहना की नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य राजेश चंदानी ने बताया कि यह कार्यक्रम केंद्रीय शिक्षा व साक्षरता विभाग एवं राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा समर्थित है, जिसकी शुरुआत बच्चों में लोककला, लोकसंस्कृति एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत की समझ विकसित करने के उद्देश्य से सन 2015 में कई गई थी।

12 विधाओं में विद्यार्थियों दिखाई प्रतिभा : कला उत्सव 2025 में बच्चों को गायन,वादन,नाटक,दृश्य कला, शास्त्रीय/उपशास्त्रीय नृत्य, पारंपरिक कहानी वाचन जैसी 12 विभिन्न विधाओं के माध्यम से अपनी कला प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है ,उन्होंने आयोजन के स्वरूप में परिवर्तन की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व के वर्षों में सहभागी प्राथमिक-माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक सभी स्तर के बालक- बालिकाओं की अलग-अलग श्रेणियों में मूल्यांकन किया जाता था परंतु अब विद्यालय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक केवल कक्षा 9वीं से 12 वी तक के प्रतिभागी विद्यार्थियों का समेकित रूप से निर्धारित मापदंडों व नियमों के अधीन मूल्यांकन किया जा रहा है।

ये रहे विजेता

विकासखण्ड स्तर से चयनित केवल प्रथम स्थान के प्रतिभागियों को ही जिला स्तरीय कला उत्सव में हिस्सा लेने की पात्रता होगी ,विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता निम्नानुसार रहे- संगीत(गायन एकल) न्याशा साहू पी एम श्री प्रियदर्शनी नेवरा, गायन समूह हेल्पिंग हैंड स्कूल खरोरा,संगीत (ताल)वादन एकल(शास्त्रीय/उपशास्त्रीय) उत्तम साहू विधासम्मत न होने के कारण अपात्र अर्थात निरंक , संगीत (ताल) वादन समूह(लोक) सुयश एवं साथी हेल्पिंग हैंड स्कूल खरोरा, संगीत वादन तंत्री/सुषिर,निरंक नृत्य एकल (शास्त्रीय) चंचल रिजवानी पी एम श्री प्रियदर्शनी स्कूल नेवरा, नृत्य सामूहिक (लोक/जनजातीय) हीना एवं साथी बी ए बी नेवरा,नाटक (समूह)निरंक, दृश्यकला एकल (चित्रकला/चित्रकारी/मुद्रण/व्यंग्य चित्र) अर्चिता निषाद पी एम श्री प्रियदर्शनी स्कूल नेवरा,दृश्यकला (त्रिआयामी मूर्तिकला) ईशा वर्मा पी एम श्री प्रियदर्शनी स्कूल नेवरा,दृश्यकला समूह(द्विआयामी/ त्रिआयामी/स्थानीय शिल्प निरंक ,पारंपरिक कहानी वाचन (समूह) मयंक बघेल गिवेश चौबे पी एम श्री प्रियदर्शनी स्कूल नेवरा।

गांवों में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया

आरंग। गांव-गांव में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही ससुराल से मायके पहुंची बहनों के कदम घर की दहलीज पर पड़ते ही घर-आंगन में खुशियों की लहर दौड़ पड़ी। बहनों ने बड़े स्नेह और आदर के साथ भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके सुख-समृद्धि व दीर्घायु की मंगलकामनाएं कीं। इस अवसर पर भाइयों ने भी बहनों को स्नेहिल उपहार भेंट करते हुए जीवनभर उनकी रक्षा का वचन दिया। त्योहार के मद्देनज़र घरों में तरह-तरह के पकवान और मिठाइयां बनाई गईं। दिनभर रिस्तेदारों और पड़ोसियों के बीच आपसी मेल-मुलाकात का दौर चलता रहा। जगह-जगह भावुक दृश्य देखने को मिले, जब वर्षों बाद मायके लौटी बहनों ने अपने बचपन की यादें ताजा कीं। रक्षाबंधन पर्व ने एक बार फिर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते में नई मिठास घोलते हुए गांव के सामाजिक और पारिवारिक बंधन को और अधिक मजबूत किया।

खबर संक्षेप

रास्ते में रोककर गाली गलौज, चाकू से हमला

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ अकारण उस पर चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बैरनबाजार निवासी राजेंद्र नायक ने अमित सोनी के खिलाफ चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि शनिवार देर रात आकाशवाणी चौक के पास उसके पुराने परिचित अमित ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की। गाली-गलौज करने से मना करने पर अमित ने जेब से चाकू निकालकर राजेंद्र पर हमला कर दिया।

दुकान की उधारी चुकाने कहा तो युवक को पीटा

रायपुर। खमतराई थाने में एक कारोबारी ने तीन लड़कों के खिलाफ उधार पैसे मांगने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भनपुरी निवासी राजेश पाण्डेय ने विकास, विनय तथा संदीप के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। राजेश ने पुलिस को बताया कि कुमारी बाई पर उसकी किराना दुकान की उधारी बाकी थी, जिसे लेने उसका लड़का योगेंद्र कुमारी बाई के पास गया। इस बात से नाराज होकर विकास, विनय तथा संदीप ने योगेंद्र के साथ मारपीट की।

नंदी का उपचार करने गए युवक से मारपीट

रायपुर। माना थाने में घायल नंदी का उपचार करने गए एक युवक ने दो लड़के तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एयरपोर्ट मार्ग निवासी संस्कार गोस्वामी ने पंकज अंसारी, द्वारिका कुर्रे तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। संस्कार ने पुलिस को बताया कि एयरपोर्ट मार्ग पर नंदी बैल के घायल होने की सूचना पर वह अपने साथी विवेक पाण्डेय के साथ नंदी बैल का उपचार करने पहुंचा। मौके पर उपस्थित पंकज तथा द्वारिका ने संस्कार तथा उसके साथी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की और अपनी गाड़ी में जबरन ले जाने की कोशिश की।

आखिर कहां जाएं मरीजों के परिजन, आवास के लिए जगह अब तक तय नहीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

दूरवर्ती क्षेत्रों से इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए आवास बनाने जमीन की तलाश अब तक प्रबंधन पूरी नहीं कर पाया है। ऐसे में परिजन अस्पताल के बरामदे में रात बिताने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य सचिव ने छह माह पहले निरीक्षण के दौरान इस मामले में निर्देश जारी किए थे।

आंबेडकर अस्पताल में क्षमता से अधिक मरीज आने से व्यवस्था पर दबाव रहता है। मरीजों के लिए तो वार्ड में बेड की व्यवस्था हो जाती है, मगर उनके परिजनों को भवन एवं परिसर में किसी तरह रात बितानी पड़ती है और दिन में इधर-उधर भटककर समय बिताने को मजबूर होना पड़ता है। इस दौरान कई बार उनके साथ अनहोनी भी होती रहती है। अस्पताल में परिजनों के लिए अस्थायी आवास की समस्या काफी पुरानी है और इसके समाधान के लिए विभागीय स्तर पर अब तक किसी तरह की पहल नहीं की गई है। अस्पताल के वार्डों में हर वक्त करीब एक हजार मरीज भर्ती रहते हैं और लगभग दो हजार अटेंडर अस्पताल के बरामदों में अपना समय गुजारते हैं। अस्पताल में उनकी सुविधा के लिए आवास निर्माण की काफी आवश्यकता है। जनवरी के अंतिम दिनों में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने अस्पताल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उनकी नजर बरामदों में डेरा जमाकर बैठने वाले अटेंडरों पर पड़ी थी।

उन्होंने परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर में आवास बनाने के निर्देश दिए थे। इसके लिए प्रबंधन से जमीन चिन्हित कर प्रस्ताव भेजने कहा था। काफी समय बीतने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन परिजन आवास के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश नहीं कर पाया है। स्वास्थ्य सचिव द्वारा इसके साथ ही अस्पताल में नियमित रूप से मरीज और उनके परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं के लिए चिन्हित स्थान पर शेड निर्माण कराने निर्देशित किया था, जिसका काम अभी भी पूरा नहीं हो पाया है।

छह माह पहले स्वास्थ्य सचिव ने आंबेडकर अस्पताल प्रबंधन को दिए थे निर्देश

ज्यादातर गरीब परिवार

अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए परिसर के बाहर बिन्नी बाई धर्मशाला है। काफी समय पहले बनाया गया भवन वर्तमान के हिसाब से छोटा पड़ने लगा है। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले ज्यादातर मरीज दूरदराज से और निम्नवर्ग से ताल्लुक रखते हैं। होटल, धर्मशाला में रहकर इलाज कराना उनके लिए मुमकिन नहीं होता, इसलिए अस्पताल भवन के बरामदे को ही वे अपना ठिकाना बना लेते हैं।

कैंसर मरीजों के लिए थी व्यवस्था

सूत्रों के अनुसार, कुछ साल पहले आंबेडकर अस्पताल में कैंसर के मरीजों के लिए मरच्यूरी के समीप अस्थायी आवास की व्यवस्था थी।कीमोथेरेपी कराने आने वाले मरीजों के साथ परिजन वहां रुककर इलाज कराते थे। बाद में उक्त कक्ष का रेनोवेशन कर सिकलसेल संस्थान के लिए उपयोग किया जाने लगा और वहां के मरीजों को भी कैंसर विभाग के भवन में डेरा जमाना पड़ गया।

क्रेडा के 10 मेगावाट के 65 करोड़ के प्रस्ताव को किया गया वापस

सोलर सिटी के लिए 65 करोड़ का प्रस्ताव रद्द, नवा रायपुर में अब हर विभाग की बनेगी अलग योजना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश में भी सोलर से बिजली का उत्पादन करने का काम अब तेजी से करने की तैयारी चल रही है। क्रेडा कई योजनाओं पर काम कर रहा है। नया रायपुर को सोलर सिटी भी बनाने की तैयारी है। इसके लिए क्रेडा ने 10 मेगावाट बिजली के उत्पादन का 65 करोड़ का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास भेजा था, लेकिन इसको नामंजूर करके क्रेडा को हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना बनाकर देने के लिए कहा गया है। अब क्रेडा एनआरडीए के भवनों के साथ लोक निर्माण विभाग और अन्य विभागों के भवनों के हिसाब से योजना बनाने में जुट गया है। इन योजना का प्रस्ताव भेजने के बाद इसकी मंजूरी मिलने पर काम प्रारंभ होगा। नया रायपुर के सभी सरकारी दफ्तर, मंत्रियों के बंगले, रेलवे स्टेशन भी इसमें शामिल हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

देश में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने सोलर बिजली की तरफ रुख किया है। इसके लिए देश के कई राज्यों में भी काम हो रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर काम चल रहा है, वहीं राज्यों में बड़े-बड़े सरकारी और निजी सोलर प्लांट भी लगाने का काम हो रहा है।

प्रदेश में राजनांदगांव में बड़ा सोलर प्लांट लगा है। इसी के साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में भी घरों की छतों पर बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। क्रेडा 20 हजार सोलर कृषि पंप भी लगाने वाला है। इसी के साथ जल जीवन मिशन योजना में भी 28 हजार सोलर पंप लगाए गए हैं।

अब अलग अलग योजना

नया रायपुर में एनआरडीए के अलावा जितने भी अन्य विभागों के साथ निजी संस्थान और भवन है, उनके लिए अलग-अलग योजना तैयार कर रहे हैं। योजना तैयार करने के बाद इसको मंजूरी के लिए प्रदेश सरकार के पास भेजा जाएगा।

-भूपेंद्र सवन्नी
अध्यक्ष क्रेडा

खपत के हिसाब से लगेंगे प्लांट

नया रायपुर में अभी पूरी बसाहट नहीं हुई है। लेकिन यहां पर मंत्रालय, सरकारी और कई निजी संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों के बंगले भी हैं। क्रेडा ने पहले एक संयुक्त योजना तैयार की थी, जिसमें 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्रों से किया जाना है। इस योजना में नया रायपुर को सोलर सिटी बनाया जाएगा। लेकिन यह साझा प्रस्ताव को मंजूर नहीं किया गया है और क्रेडा को अलग-अलग प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अब क्रेडा एनआरडीए के सभी भवन, लोक निर्माण विभागों के सभी शासकीय भवनों, सरकारी और निजी आवास, रेलवे स्टेशन, स्ट्रीट लाइट, पंप हाउस के लिए अलग-अलग योजना तैयार कर रहा है। इसके लिए अलग-अलग क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। शासकीय भवनों में वहां बिजली की जरूरत को देखते हुए उतनी क्षमता के प्लांट लगेंगे। इसी तरह से निजी और शासकीय आवासों में भी आवासों में बिजली की खपत के हिसाब से सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन और जो भी संस्थान, स्थान योजना में शामिल होंगे, उनकी बिजली की खपत को देखते हुए प्लांट लगेंगे। सभी प्लांट के लिए अलग-अलग बजट और योजना बनाई जा रही है।

समय पर नहीं मिल रही यूरिया और डीएपी, किसानों को चिंता कहीं उत्पादन न घट जाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

- सहकारी समितियों में पर्याप्त खाद न होने का फायदा उठा रहे व्यापारी

खरीफ सीजन में किसानों को अब समय पर यूरिया और डीएपी खाद नहीं मिलने से उनकी चिंता बढ़ रही है। बरसात के इस अहम दौर में खाद की कमी से फसल उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना को लेकर किसान चिंतित हैं। कुछ किसानों को तो जरूरत से आधी या चौथाई मात्रा में खाद मिल रही है, जिससे उनकी लागत और मेहनत पर पानी फिरने का खतरा है।

जिले की अधिकांश सहकारी समितियों में खरीफ सीजन की शुरुआत से डिमांड के अनुसार यूरिया-डीएपी खाद का भंडारण नहीं हो पाया है। सोसाइटियों में पर्याप्त खाद नहीं होने फायदा निजी दुकान संचालक उठा रहे हैं। किसानों को 266.50 रुपए की यूरिया खाद एक हजार रुपए में बेच रहे तो 1350 रुपए में मिलने वाली डीएपी को दो हजार रुपए तक बेचा जा रहा है।

कई जिलों में मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं

बताया जाता है कि बोआई के बाद फसल में इजाफे के लिए पर्याप्त पोषण की आवश्यकता होती है, लेकिन समय पर खाद नहीं मिलने से पौधों का विकास रुक सकता है और उत्पादन घट सकता है। प्रदेश के दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, महासमुंद, बिलासपुर, धमतरी सहित कई जिलों की सहकारी समितियों में खाद की आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं हो पा रही है।

आपूर्ति ठीक से नहीं हुई तो पैदावार पर असर

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आने वाले एक सप्ताह के भीतर खाद की आपूर्ति सुचारू नहीं हुई तो जिले में फसल की पैदावार पर सीधा असर पड़ सकता है। किसान उम्मीद लगाए बैठे हैं कि प्रशासन तुरंत इस समस्या का समाधान करे।

निजी दुकानों पर रखी जा रही नजर

बारिश भी समय-समय पर हो रही है, लेकिन किसानों को यूरिया-डीएपी समय नहीं मिल पा रही है, इससे उनकी चिंता बढ़ गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसानों को खाद उपलब्ध कराने टीम सक्रिय की गई है। निजी दुकानों पर नजर रखी जा रही है। रायपुर जिले की तामासिवनी सहकारी सोसायटी में यूरिया और डीएपी का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में है।

निधन

रामनरेश तिवारी

रायपुर। सत्ती बाजार तिवारी बाड़ा निवासी रामनरेश तिवारी का 10 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 11 अगस्त को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. रामराजा तिवारी के पुत्र और मोनू, सोनू तिवारी के पिता थे।

इमरान अकरम हामिद

रायपुर। बैजनाथ पारा निवासी, आंध्रा बैंक से सेवानिवृत्त इमरान अकरम हामिद का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मौदहापारा कब्रिस्तान में किया गया। वे नौमान अकरम, हामिद सिरातून के बड़े भाई, पूर्व प्रिंसिपल उर्दू अंजुमन स्कूल नुरु सबाह के पुत्र एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर जीएम हसन के साले थे।

खिम्या देवी मलंग

रायपुर। गौतम विहार देवपुरी निवासी खिम्या देवी मलंग का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 10 अगस्त को न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे प्रकाश मलंग की पत्नी एवं बलराम मलंग की माता थीं।

नानकी माखीजा

रायपुर। तेलीबांधा गली नंबर-2 निवासी नानकी माखीजा का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 10 अगस्त को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. सेवकराम माखीजा की पत्नी एवं स्व. रामचंद, स्व. भरत माखीजा की माता थीं।

दो घटनाओं में तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

- विस थाना क्षेत्र में नशे की झोंक में युवक तालाब में उतरा डूब गया

तेलीबांधा तथा विधानसभा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। एक घटना में युवक नशे की हालत में तालाब में उतरा और गहरे पानी में समा गया। दूसरी घटना में युवक अपने दोस्तों तथा अन्य को तालाब में नहाते देख पानी में उतर गया और उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। दोनों घटनाओं में पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव में डूबने से हनी मानिकपुरी (24) की मौत हुई है। हनी मूल रूप से बालोद का रहने वाला है। रायपुर में वह किराए के मकान में रहता था और वह टाटीबंध स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। रविवार दोपहर वह अपने दोस्त के साथ मरीन ड्राइव घूमने गया था। हनी का दोस्त नहाने के लिए पानी में उतरा, उस समय कुछ और लोग भी तालाब में नहा रहे थे। अपने दोस्त तथा अन्य को तालाब में नहाते देख हनी का भी मन नहाने का हो गया और वह तालाब में उतर गया। उसे तैरना नहीं आता था। नहाते-नहाते हनी आगे बढ़ गया और पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाया, जिससे वह पानी में डूब गया।

एसडीआरएफ ने निकाली लाश

काफी देर बाद पानी से नहीं निकलने पर हनी के दोस्त ने उसे पानी की गहराई में खोजने की कोशिश की। हनी के नहीं मिलने पर उसके दोस्त ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर गहराई में डूबकर मृत हो चुके हनी की लाश तालाब से बाहर निकाली। घटना रविवार दोपहर 2 बजे की है।

नशे में उतरे युवक की मौत

विधानसभा थाना क्षेत्र के सड्डू स्थित छठ तालाब में डूबने से वीरू धीवर (32) साल की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि वीरू शराब पीने के बाद सुबह साढ़े 10 बजे अपने दोस्त के साथ तालाब में नहाने गया था। नशे में होने की वजह से वीरू पानी की गहराई में चला गया और उसे इसकी भनक भी नहीं मिल पाई कि आगे गहराई है। नशे में धुत होने की वजह से वह पानी से बाहर नहीं निकल पाया और डूबने से उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने वीरू को तालाब से बाहर निकाला।

सड़क पर मवेशी ...

रायपुर। सड़क पर मवेशियों के जमावड़े से आवागमन बाधित होता है। ऐसा हाल शहर के सभी इलाकों समेत आउटर में भी नजर आता है।पशुपालक अपने मवेशियों को सड़क पर खुले में चरने के लिए छोड़ देते हैं। यदा-कदा मवेशियों के साथ वाहनों के टक्कर होने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं और दुर्घटना का अंदेशा भी बना रहता है।

सवा दो सौ करोड़ की फर्जी बिलिंग मामले में रिकार्ड समय में कोर्ट में चालान पेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

- स्टेट जीएसटी ने कोर्ट में पेश किया लोहा कारोबारी के खिलाफ दो हजार पन्नों से ज्यादा का चालान
- कारोबारी के ठिकानों पर जून में की गई थी कार्रवाई

अपने कर्मचारियों के नाम से बोगस फर्म बनाकर 223 करोड़ रुपए के फर्जी बिलिंग करने के आरोपी लोहा कारोबारी अमन अग्रवाल के खिलाफ स्टेट जीएसटी के अफसरों ने रिकार्ड समय में कोर्ट में चालान पेश किया है। कारोबारी के ठिकानों पर स्टेट जीएसटी ने 10 जून को छापे की कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है, स्टेट जीएसटी की यह पहली ऐसी कार्रवाई है, जिसमें दोषी कारोबारी के खिलाफ कोर्ट में रिकार्ड समय में चालान पेश किया गया है। स्टेट जीएसटी ने कारोबारी के खिलाफ सीजेएम गिरीश मंडावी की कोर्ट में 2137 पेज का चालान पेश किया है।

शासन के निर्देश पर स्टेट जीएसटी टैक्स चोरी करने वाले कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। टैक्स चोरी करने वालों की जानकारी निकालने स्टेट जीएसटी अत्याधुनिक डिजिटल टूल्स, ई-वे बिल पोर्टल के साथ आईपी एड्रेस एनॉलिसिस का उपयोग कर घोटाले की जानकारी हासिल कर कार्रवाई रही है। इसी डिजिटल टूल्स की मदद से स्टेट जीएसटी ने कारोबारी की टैक्स चोरी की जानकारी हासिल कर कार्रवाई की थी।

घर से संचालित कर रहा था फर्जी फर्म

जांच में पता चला कि अमन अग्रवाल ने 10 से अधिक मजदूरों के आधारकार्ड और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फर्जी कंपनियां बनाईं। इनके जरिए उसने 223 करोड़ रुपए के फर्जी बिल जारी कर 53 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी की। टैक्स चोरी की पुष्टि कारोबारी के जियो और एयरटेल से प्राप्त डेटा से हुई। कारोबारी फर्जी फर्मों का संचालन अपने निवास से कर रहा था। ट्रांजेक्शन विश्लेषण से पता चला कि कारोबारी ने टैक्स चोरी की रकम तीन बैंकों के खातों में ट्रांसफर की थी। ये खाते महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और गुजरात में थे, जहां से राशि नकद निकालकर सिस्टम से बाहर की गई।

बिजनेस साइट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया संस्थापक दिवस

रायपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक एवं क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा संस्थापक सर सोराबजी पोचखानावाला की 114वीं जयंती पर संस्थापक दिवस का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम बैंक के मूल्यों, विरासत और दूरदृष्टि को नमन करने के साथ-साथ कर्मचारियों को प्रेरणा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ आंचलिक प्रमुख बीआर रामाकृष्णा नायक एवं क्षेत्रीय प्रमुख आरके केरकेट्टा द्वारा संस्थापक के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात कर्मचारियों ने संस्थापक के जीवन और बैंक की स्थापना यात्रा से जुड़ी प्रेरक जानकारियां साझा कीं। इस विशेष दिन को चिन्हित करने केक काटा गया और उत्सवपूर्वक वातावरण निर्मित हुआ। अपने संबोधन में श्री नायक ने सर पोचखानावाला के सिद्धांतों, ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रितता की वर्तमान बैंकिंग प्रणाली में प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मूल्यों की नींव ही किसी संस्था की असली ताकत होती है। इस अवसर पर बैंक के लोकप्रिय उत्पादों सेंट क्वीन अकाउंट, सेंट गृह लक्ष्मी स्कीम, सेंट होटल एवं सेंट व्यवसाय अकाउंट की जानकारी दी गई। कर्मचारियों को इन योजनाओं को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि बैंकिंग सेवाएं आमजन तक पहुंचें और उनकी आर्थिक प्रगति को बल मिल सके।

पेज 9 के शेष ...

भीड़-धक्कामुक्की के...

ट्रेनों तक में देखने को मिला। हरिभूमि ने भी इस भीड़ का जायजा लेने के लिए भाटापारा से रायपुर तक छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में सफर किया। भाटापारा स्टेशन पर जैसे ही छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस पहुंची, ट्रेन के दरवाजों पर पहले से ही यात्रियों का जमावड़ा नजर आया। कोच के अंदर 120 से ज्यादा यात्री पहले से ही ठसाठस भरे थे। रायपुर जाने के लिए ट्रेन में चढ़ना मानो चुनौती बन गया। कई यात्री तो जैसे-तैसे गेट तक पहुंचे, लेकिन भीड़ और उमस भरी गर्मी के कारण अंदर की ओर बढ़ ही नहीं पाए। गेट के पास करीब 15 यात्री खड़े, पसीने से तरबतर, किसी तरह संतुलन बनाकर खड़े थे। धक्कामुक्की के बीच 4 लड़कियां तिल्दा स्टेशन पर ही उतरने को मजबूर हो गईं। दूसरी ओर स्लीपर कोच का हाल भी इससे अलग नहीं था, गलियारे और गेट पर बैठकर और खड़े होकर यात्री सफर कर रहे थे। कुछ लोग कंफर्म टिकट धारकों से निवेदन कर उनकी सीट पर बैठ गए। कई वेटिंग टिकटधारी भी भीड़ में घुस आए। टीटीई ने जांच करने के दौरान उन्हें जनरल कोच में भेजा। पूरी यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए टिकट जांच अभियान लगातार जारी रहा, लेकिन भीड़ का दबाव कम होने का नाम नहीं ले रहा था।

एक पीएनआर, चार यात्री और सिर्फ एक सीट : रायपुर से गुजरने वाली सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में भी ठसाठस भीड़ का मंजर दिखा। लोकल, इंटरसिटी के साथ हावड़ा-मुंबई, संपर्क क्रांति, गोंदवाना, पुरी-अहमदाबाद, गीतांजलि, दुर्ग-नौतनवा और मुंबई रूट की ट्रेनों के स्लीपर कोच यात्रियों से खचाखच भरे रहे। टिकट कन्फर्म न होने पर यात्री प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेन के अंदर तक टीटीई से सीट के लिए सिफारिश करते नजर आए। जिन कोच में भीड़ अधिक थी, उनमें टीटीई ने वेटिंग यात्रियों को बाहर निकाला और जहां सीट खाली मिली, वहां उन्हें बैठाया भी। कई यात्रियों ने एक ही सीट पर सफर साझा किया, कुछ मामलों में एक पीएनआर में चार टिकट थे, जिनमें सिर्फ एक सीट कन्फर्म थी, नतीजतन चारों को एक ही सीट पर बैठना पड़ा। इससे कोच में भीड़ और ज्यादा बढ़ गई। भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे ने ट्रेनों में लगातार टिकट जांच अभियान चलाया, लेकिन कोच से लेकर प्लेटफॉर्म तक भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही थी।

स्टेशन परिसर में वाहनों का लंबा जाम : रविवार को ट्रेन से लेकर घर पहुंचने तक का सफर यात्रियों के लिए थकान भरा साबित हुआ। ट्रेन और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ इतनी थी कि सीढ़ियों से एक तरफ से दूसरी तरफ जाना भी मुश्किल हो गया। स्टेशन से बाहर निकलते ही चारों ओर गाड़ियों का लंबा जाम नजर आया। एक्सप्रेस-वे से बाहर निकलने तक वाहन खड़े रहे। यात्रियों को ऑटो लेने के लिए पूरी तरह से स्टेशन परिसर से बाहर जाना पड़ा।

100 किमी दूरी के...

जैसे-तैसे ट्रेन में चढ़ तो गईं, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि ठीक से खड़े होना भी मुश्किल हो रहा था। ट्रेन चलने के बाद असहज महसूस होने पर वे भाटापारा में उतर गईं।उन्होंने आगे बताया "सोचा इंटरसिटी एक्सप्रेस से रायपुर जाऊंगी, क्योंकि बिलासपुर के बाद उसका पहला स्टापेज भाटापारा है तो भीड़ कम होगी, लेकिन जब इंटरसिटी भाटापारा पहुंची तो उसमें छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भी ज्यादा भीड़ थी। इस तरह किस्तों में सफर कर 4 घंटे में रायपुर पहुंचीं।

अपार आईडी को स्कूल...

स्थायी और यूनिक डिजिटल अकाउंट होता है, जिसमें उसकी पूरी शैक्षणिक जानकारी एक जगह संग्रहित होती है। सीबीएसई के मुताबिक, इससे डेटा की सटीकता बढ़ेगी और डुप्लीकेशन की समस्या खत्म होगी। अब स्कूलों को कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्रों की अपार आईडी बनवानी होगी ताकि परीक्षा से पहले इनका रिकॉर्ड पक्का हो सके।

शहीद स्मारक भवन से...

की सालभर में गिनती की बुकिंग हो रही है, जबकि बिजली बिल, परिसर की सफाई, सुरक्षागार्ड के वेतन सहित अन्य खर्चों को मिलाकर 3 गुना ज्यादा रकम की भरपाई करनी पड़ रही है। अभी तक पार्किंग की निशुल्क व्यवस्था है, इससे फूटी-कौड़ी भी निगम को नहीं मिल रही है।

दूसरे राउंड के बाद...

कोटे के साथ प्रबंधन एवं एनआरआई कोटे की एडमिशन की प्रक्रिया पूरी कराएगा। राज्य के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 235 सीटें राज्य कोटे की हैं। इसके अलावा दंत चिकित्सा के 6 निजी महाविद्यालयों में 300 सीटें राज्य नियतांश की हैं। दो राउंड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद भी अगर राज्य कोटे से निजी कॉलेजों को अभ्यर्थी नहीं मिलते हैं तो उक्त सीटों को प्रबंधन नियतांश में तब्दील कर दिया जाएगा। इसके बाद काउंसिलिंग का मॉपअप और स्ट्रे वैकेंसी राउंड में एडमिशन उसी कोटे से पूरा होगा। नियम में किए गए संशोधन के बाद इस दो राउंड के प्रवेश के बाद भी अगर अप्रवासी भारतीय कोटे की सीटें खाली रह जाती हैं तो उसमें एडमिशन का लाभ स्थानीय अभ्यर्थियों का मिलेगा। हालांकि जानकार सूत्रों का दावा है कि करोड़ रुपए से ज्यादा फीस वाली इस कोटे की सीट कभी खाली नहीं रहती है।

डिजिटल माध्यमों ने बिगाड़ी प्राचार्यों की मानसिक सेहत, अब रविवि करेगा सुधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- समीक्षा बैठक के दौरान राजभवन से मिले थे निर्देश
- डिजिटल समस्याओं के अलावा अन्य मानसिक समस्याओं का भी करेंगे समाधान

पं.रविशंकर शुक्ल विवि अब संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों की मानसिक सेहत सुधारने के लिए अलग जतन करेगा। बीते माह राजभवन में हुई समीक्षा बैठक में इसे लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन को आदेश मिले थे। इसके बाद भी रविवि द्वारा यह व्यवस्था की जा रही है। इनमें रविवि से संबद्ध सभी शासकीय व निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ ही अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रदेशभर के सरकारी कॉलेजों के प्राचार्य शामिल होंगे। रविवि इसके लिए देशभर के विशेषज्ञों की मदद लेगा। प्रथम चरण का वर्कशॉप अगस्त माह में ही आयोजित किया जा रहा है। इसमें डिजिटल मेंटल हेल्थ पर चर्चा की जाएगी। डिजिटल मेंटल हेल्थ के अलावा अन्य मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए भी समय-समय पर वर्कशॉप लगाकर प्राचार्यों को जानकारी दी जाएगी। फिलहाल यह व्यवस्था केवल प्रार्चायों के लिए की जा रही है, बाद में इसे प्राध्यापकों के लिए भी प्रारंभ करने प्रयास किए जाएंगे। डिजिटल माध्यमों में सक्रियता बढ़ने के साथ ही अकादमिक कार्य भी पहले की तुलना में ऑनलाइन मोड में अधिक हो रहे हैं। दिन के लंबे समय डिजिटली एक्टिव होने से कई तरह के नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहे हैं। इनके निदान और पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने ये प्रयोग हो रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में पृथक सेल

गौरतलब है कि एनआईटी, आईआईटी, ट्रिपलआईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में मानसिक सेहत की दिशा में विशेष कार्य किए जा रहे हैं। यहां इसके पृथक सेल ही निर्मित हैं। छात्रों के लिए काउंसलर्स की भी नियुक्ति यहां स्थायी रूप से होती है। इसी तर्ज पर अब प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी प्राचार्य सहित प्राध्यापकों और छात्रों की मानसिक सेहत सुधारने प्रयत्न किए जाएंगे। महाविद्यालयों को इस संदर्भ में खत भी प्रेषित कर दिया गया है।

छात्रों के लिए पहले ही व्यवस्था

रविवि द्वारा छात्रों की मानसिक स्थिति सुधारने पिछले सत्र से ही कोशिशें की जा रही हैं। विवि अध्ययनशाला के विद्यार्थियों की मानसिक सेहत में सुधार के लिए काउंसिलिंग की व्यवस्था की गई है। किसी भी तरह की समस्या होने पर विद्यार्थी विशेषज्ञों की मदद ले सकते हैं। उन्हें परामर्श के अलावा क्लिनिकल सलाह भी दी जा रही है। छात्रों की मानसिक सेहत में सुधार के लिए भी ये कोशिशें तनाव में वृद्धि संबंधित समस्याओं के सामने आने के बाद की गई थी।

खबर संक्षेप

सीएम साय आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के दौरे पर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 11 अगस्त सोमवार को सारंगढ़ के शासकीय महाविद्यालय मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को 186 करोड़ रुपए के विकास एवं निर्माण कार्यों की सौगात देंगे, जिसमें 90 करोड़ की लागत वाले कार्यों का भूमिपूजन तथा 96 करोड़ की लागत से हुए विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण शामिल है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव, विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, सांसद रायगढ़ राधेश्याम राठिया, सांसद जांजगीर-चांपा कमलेश जांगड़े, सांसद राज्यसभा देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गणपत जांगड़े, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, उपाध्यक्ष जिला पंचायत अजय जवाहर नायक विशिष्ट अतिथि होंगे।

जरूरतमंद बच्चों को भेंट किए स्कूली जूते

रायपुर। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा याद-ए-हुसैन कार्यक्रम श्रद्धा और सेवा की भावना के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कक्षा 1 से 10वीं तक के जरूरतमंद छात्रों को स्कूल के जूते बतौर उपहार वितरित किए गए। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष मो. सिराज ने बताया कि यह पहल हर वर्ष उन बच्चों की मदद के लिए की जाती है, जिनके पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। जूतों का यह छोटा-सा तोहफा उन्हें स्कूल तक पहुंचने में सहूलियत देगा। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में आयोजित सीरत-ए-हसनैन क्विज प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। साथ ही संस्था द्वारा संचालित स्कूल दी सीड्स में योगदान देने वाले सभी सदस्यों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में शाजी रशीद साहब, अलकाफ गनीवाला, शाहबान खान, फैसल, जसीम, यूसुफ, आसिफ भिंसरा तथा यासिर भाटी, अब्दुल्ला खान, गुड्डा, इमाम अजैन, अजहर आदि शामिल थे।

शराब की बिक्री पहले की तुलना में इस वर्ष ज्यादा प्रभावित

सावन बीता और पहले ही दिन शराब दुकानों में भीड़, अंडा-चिकन के दाम और बिक्री में उछाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस वर्ष सावन में मांसाहारी खाने वाले 50 प्रतिशत लोगों ने इससे दूरी बनाई। इसके चलते पूरे एक माह तक चिकन की बिक्री बुरी तरह प्रभावित रही। अंडे को कई लोग शाकाहार के रूप में मानते हैं, इस वजह से उसकी बिक्री में ज्यादा गिरावट दर्ज नहीं की गई। अलबत्ता उसके रेट में अब इजाफा हो गया है।

छत्तीसगढ़ हैचरीज एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय ब्राह्मणकर का कहना है, पूरे प्रदेश में इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में चिकन की बिक्री बुरी तरह से प्रभावित रही है। राज्य में औसतन प्रतिदिन साढ़े पांच लाख किलो चिकन की बिक्री होती है। सावन में इसकी बिक्री ढाई से तीन लाख किलो के करीब रही। इस बार सावन में चिकन की बिक्री में अतिरिक्त 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। अंडे की बिक्री में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 से 20 प्रतिशत गिरावट रही।

सावन के जाते ही बिक्री में इजाफा

हैचरीज एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार सावन पूर्णिमा के बाद से ही चिकन की मांग में वृद्धि दर्ज की गई है। सावन जाने के दूसरे दिन रविवार होने की वजह से अकेले रायपुर में शाम 5 बजे की स्थिति में एक से सवा लाख किलो चिकन की बिक्री हुई। उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में एक दिन में जितना चिकन की बिक्री होती है, उसमें 33 प्रतिशत हिस्सा अकेले रायपुर जिले का रहता है। इस वजह से पूरे प्रदेश के चिकन कारोबारी रायपुर में चिकन, अंडे के रेट खुलने का इंतजार करते हैं। रायपुर में जो कीमत तय होती है, उसी आधार पर राज्य के अन्य जिलों में कीमत तय होती है।

खुले में छह रुपए बिकने वाले अंडे की कीमत अब सात रुपए, चिकन 175 रुपए हुआ

- अकेले रायपुर में रविवार शाम 5 बजे की स्थिति में एक से सवा लाख किलो चिकन की बिक्री हुई
- अंडे की बिक्री में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 से 20 प्रतिशत गिरावट रही

चिकन-अंडे के दाम में बढ़ोतरी

हैचरी एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार मांग के अनुरूप कीमत तय होती है, लेकिन इस बार कीमतों में जो इजाफा हुआ है, उसकी वजह मुर्गी दाने की कीमतों में वृद्धि है। एक सप्ताह पूर्व तक चिकन के दाम 130 से 140 रुपए तक थे। पिछले दो-तीन दिनों से चिकन 170 से 175 रुपए किलो बिक रहा है। इसी तरह से अंडे की कीमत चिल्हर में छह रुपए की जगह सात से आठ रुपए हो गया है। चिकन की अपेक्षा अंडे की कीमतों में ज्यादा वृद्धि हुई है।

इस वजह से मांसाहार से दूर हुए

सावन में चिकन, अंडे, मांस की बिक्री कम होने की वजह संत, महात्माओं द्वारा आयोजित धार्मिक आयोजन में धर्म के प्रति आस्था जगाने तथा आयोजन का सीधा प्रसारण कर लोगों को मांसाहार से दूर रहने अपील करने का असर रहा है। इस वजह से भी लोग सावन में मांसाहार तथा शराब से दूरी बनाए हुए थे।

शराब की बिक्री में 15 से 20 प्रतिशत तक गिरावट

जिले में औसतन प्रतिदिन 18 से 20 करोड़ रुपए के आसपास शराब की बिक्री होती है। सावन में हर साल शराब की बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जाती रही है। आबकारी अफसरों के अनुसार, इस वर्ष सावन में अन्य वर्षों की तुलना में शराब की बिक्री में 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। सावन के दूसरे दिन रविवार को शराब बिक्री के आंकड़े मांगे जाने पर अफसर दूसरे दिन वास्तविक आंकड़े बताने की बात कही। अफसरों के अनुसार, पिछले रविवार की अपेक्षा इस रविवार शराब की बिक्री अच्छी रही।

निर्माण लागत 3 करोड़ 32 लाख रुपए

स्मार्ट टॉयलेट की तर्ज पर बनेंगे दर्जनभर से ज्यादा आकांक्षी शौचालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के भीड़भाड़ वाली ऐसे जगहों पर, जहां आम जनता के लिए सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, उन स्थानों पर नगर निगम शहर में आकांक्षी शौचालय का निर्माण कराने की योजना लाया है। इसके लिए ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय कर ली गई है। केंद्र और राज्य सरकार की पहल पर धार्मिक तथा सार्वजनिक स्थलों पर 13 आकांक्षी शौचालय का निर्माण कराया जाएगा।

स्मार्ट टएॅयलेट की तर्ज पर शहर में दर्जनभर से ज्यादा चिन्हांकित स्थानों पर 3 करोड़ 32 लाख रुपए की लागत से आकांक्षी शौचालय का निर्माण होगा। जिसमें 10 सीटर शौचालय की संख्या 10 और 6 सीटर शौचालय 3 होंगे। 6 माह की समय सीमा में अनुबंधित एजेंसी को यह कार्य कराना होगा। नगर निगम इस कार्य के लिए नोडल एजेंसी होगी। एक ही मॉडल पर आधारित आकांक्षी शौचालय बनाने नगर निगम ने अनुबंधित एजेंसी को वर्कआर्डर जारी कर दिया है।

- सार्वजनिक स्थानों पर आम जनता को होती थी परेशानी
- नगर निगम बनवाएगा सुविधायुक्त आकांक्षी शौचालय

इन स्थलों पर निर्माण प्रस्तावित

- सिविल लाइन क्षेत्र स्थित कालीमाता मंदिर के पास
- पुरानी बस्ती क्षेत्र के महामाया मंदिर के पास
- तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पास
- बूढ़ापारा क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद सरोवर के पास
- सिविल लाइंस क्षेत्र के कटोरा तालाब चौपाटी के पास
- भाठागांव क्षेत्र स्थित अंतर्राज्यीय बस स्टैंड के पास
- वीआईपी रोड पर श्रीराम मंदिर के समीप
- जीई रोड पर नालंदा परिसर के पास
- समता कॉलोनी में खाटू श्याम मंदिर के पास
- जगन्नाथ मंदिर के पास

2023 में विज्ञापन, 2024 में चयन सूची, अब 2025 में दस्तावेज परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सितंबर 2023 में स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में 73 पदों के लिए निकली थी भर्ती
- आज से दो दिनों तक चलेगी प्रक्रिया, एक पद के ही आवेदन मान्य

जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में संविदा शिक्षकों के रिक्त 73 पदों पर दो साल बाद भर्ती होगी। इन पदों के लिए विज्ञापन 2023 में जारी हुए थे। इसके बाद अन्य प्रक्रियाएं प्रारंभ हुईं। इसके पश्चात विधानसभा चुनाव व नगरीय निकाय चुनाव सहित कई कारणों से भर्तियां नहीं हो सकीं। अब विज्ञापन जारी होने और मेरिट लिस्ट निकाले जाने के लगभग दो साल बाद उन अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा, जिनके नाम मेरिट लिस्ट में आए थे।

जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा इस संदर्भ में अधिसूचना जारी कर दी गई है। दस्तावेज परीक्षण के लिए अभ्यर्थियों को 11 व 12 अगस्त को बुलाया गया है। शहीद स्मारक शासकीय विद्यालय में इन दस्तावेजों का सत्यापन होगा। संविदा भर्ती के नियमों के मुताबिक, अभ्यर्थियों को केवल एक ही पद के लिए आवेदन की पात्रता थी। एक से अधिक पदों पर दस्तावेज सत्यापन में नाम होने पर आवेदक केवल एक ही पद के लिए दस्तावेज सत्यापन के लिए पात्र माने जाएंगे। आज सुबह 10.30 बजे से दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

भौतिक शास्त्र के 5 पदों में वृद्धि

पूर्व में विज्ञापित पदों में 2 वर्ष पश्चात भर्तियां की जा रही हैं। ऐसे में कुछ विषयों में व्याख्याताओं के पद विलोपित हुए हैं तो कुछ में नए पद जोड़े गए हैं। भौतिक शास्त्र के व्याख्याताओं के 5 पदों में वृद्धि की गई है। सरोना व लालपुर के स्कूल में गणित तथा अभनपुर विद्यालय में अंग्रेजी व्याख्याता के एक-एक पद विलोपित हुए हैं। पदों में भी परिवर्तन किए गए हैं। पदवार तथा विषयवार जानकार जिले की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

प्रभावित होती रही पढ़ाई

चयन सूची जारी किए जाने के दो वर्षों तक किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जा सकी, इसके कारण छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित होती रही। कई विद्यालयों में अन्य विषयों के शिक्षकों की मदद से अध्ययन कार्य कराया गया तो कई स्कूलों में पाठ्यक्रम ही पूर्ण नहीं हो सका। इस दौरान स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के साथ ही उन अभ्यर्थियों द्वारा भी जिला शिक्षा कार्यालय को नियुक्तियों के लिए खत लिखा गया था। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में भर्तियां होने से परिणाम में सुधार की उम्मीद स्कूल प्रबंधन के साथ छात्रों को भी है।

- स्वदेशी जागरण मंच का स्वदेशी सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान

जयस्तंभ चौक पर विदेशी उत्पादों का पुतला दहन, कोल्ड्रिंक बहाकर उस पर लगाई झाड़ू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कैट के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट अमर पारवानी, चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष, कार्यकर्ता जुटे

शहर के जयस्तंभ चौक पर स्वदेशी जागरण मंच की ओर से रविवार को स्वदेशी सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान चलाया गया, जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल, कबीरपंथ के संत देवकर साहब, कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो का शंखनाद करते हुए स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने आवाज बुलंद की। इस मौके पर स्वदेशी वस्तुओं के क्रय-विक्रय और उपयोग करने का संकल्प लिया गया। साथ ही विदेशी कंपनियों के उत्पादों का पुतला फूंका गया। विदेशी कंपनियों के पेय पदार्थ सार्वजनिक स्थान पर बहाकर विरोध जताया गया और उस पर झाड़ू लगाई गई। रैली में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष स्वदेशी के नारे लगाते हुए निकले।

स्वदेशी सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत कैट और छतीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों, आर्थिक संगठनों के प्रमुख, महिला शक्ति स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो ने नारे लगाते हुए रैली निकाली। इस अवसर पर नागरिकों ने स्वदेशी वस्तुओं के क्रय-विक्रय और उपयोग का संकल्प लिया। जयस्तंभ चौक पर कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी वस्तुओं की सूची जनता में वितरित की। रैली में शामिल लोग जयस्तंभ चौक से शारदा चौक स्वदेशी के नारे लगाते हुए वापस जयस्तंभ चौक पहुंचकर विदेशी कंपनियों के पुतला दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कैट के वरिष्ठ पदाधिकारी अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में अच्छी बारिश के बावजूद 12 बड़े बांधों में से 7 आधे ही भर पाए, किसान मांगने लगे धान के लिए पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- मानसून की शुरुआत से पहले ही बारिश, अब मौसम बेईमान
- खरीफ फसल के लिए किसानों को बादल बरसने का इंतजार

छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून सीजन की शुरुआत होने से पहले ही बारिश शुरू हो गई थी। मानसून सक्रिय होने और एक बार ब्रेक लगने के बाद भी पिछले सप्ताह तक बारिश होती रही, लेकिन इसके बाद भी राज्य के 12 बड़े बांधों में से सात में जलभराव आधा या उसके आसपास ही हो पाया है।

दूसरी ओर रायपुर, धमतरी जिले के किसान अभी से धान की फसल के लिए बांधों से पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं।

एक नजर बड़े बांधों पर

राज्य में 12 बड़े यानी मेजर बांध है। इनमें से 7 में जलभराव बारिश के अनुरूप नहीं हो पाया है। बालोद जिले के तांदुला बांध में इस समय जलभराव 57 प्रतिशत है। कांकेर जिले के दुधावा में में 30.55 प्रतिशत पानी जमा हो पाया है। यही हाल धमतरी जिले के सोंढूर बांध का है। यहां 35.68 प्रतिशत पानी है। धमतरी के मुरुमसिल्ली में करीब 42 प्रतिशत जलभराव है। महासमुंद जिले के कोडार बांध में पानी की मात्रा 55 प्रतिशत है। रायगढ़ के केलो बांध में 36 प्रतिशत और अरपा-भैंसाझार में सबसे कम 25 प्रतिशत पानी ही जमा हो पाया है। राज्य के सभी बांधों में इस समय कुल मिलाकर 70 प्रतिशत पानी है, इनमें बड़े, मध्यम व छोटे बांध शामिल हैं। पिछले साल 2024 में इसी समय इन्हीं बांधों में करीब 62 प्रतिशत और 2023 में 70 प्रतिशत से अधिक पानी था।

पानी की कमी से बियासी प्रभावित

इधर रायपुर, धमतरी व आसपास के जिलों में पिछले एक हफ्ते में कम बारिश होने की वजह से कहा जा रहा है कि यह मानसून ब्रेक का असर है। यही कारण है कि इन दोनों जिलों के किसान धान की फसल के लिए बांधों से पानी छोड़ने की मांग सरकार से कर रहे हैं। हालांकि इस मांग के संबंध में सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया है, लेकिन किसानों का कहना है कि पानी की कमी होने के कारण बियासी का काम प्रभावित हो रहा है। किसानों की ओर से दावा किया गया है कि पानी कम होने के कारण बियासी का काम 10 प्रतिशत ही हो पाया है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 11 अगस्त 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02 इस्कॉन में श्रीराधा-कृष्ण पहनेंगे ...

लाइव इवेंट

संस्कृत को जन की भाषा बनाने संस्कृत भारती ने निकाली शोभायात्रा

रायपुर। संस्कृत को जन-जन की भाषा बनाने और लोगों को इसका उपयोग करने की भावना से जोड़ने के लिए रविवार को कर्मा चौक रामनगर में एक भव्य आयोजन हुआ। संस्कृत भारती रायपुर द्वारा संस्कृत सप्ताह के अवसर पर भाषा का प्रचार-प्रसार करने के लिए गुढ़ियारी क्षेत्र में जागरुकता शोभायात्रा निकाली गई। इस क्रम में विद्युत कार्यालय के पास से शोभायात्रा का आगाज किया गया। संस्कृत भारती संस्कृत को जन भाषा बनाने के लिए प्रयत्नशील है। श्रावण पूर्णिमा पर संस्कृत दिवस मनाया जाता है। संस्कृत सप्ताह साधारण दिवस नहीं, बल्कि उस कालजयी साहित्य परंपरा का पर्व है, जिसने सहस्त्राब्दियों से सारी मानवता को संस्कारित किया है। इसमें अध्यक्ष डॉ. लूनेश कुमार वर्मा, डॉ. व्यास नारायण आर्य, डॉ. बहुरन सिंह पटेल, राजेश राजपूत, खुमेंद्र साहू, टीकाराम, अशोक, हेमंत साहू सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता भी इस आयोजन का हिस्सा बने।

नासा ने भी स्वीकार किया संस्कृत का महत्व

संस्कृत दिवस के तीन दिन पहले और बाद तक के समय को संस्कृत सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा सुभाषित-सूक्ति प्रतियोगिता, गीत प्रतियोगिता, वस्तु प्रदर्शनी, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, नाटक, साहित्यिक संगोष्ठी, वाद-विवाद जैसे आयोजन स्कूल, कॉलेज, गांवों और शहरों में संपन्न हो रहे हैं। डॉ. प्रवीण झाड़ी ने भी संस्कृत साहित्य की विपुलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामायण, महाभारत, गीता पुराण की रचना संस्कृत में हुई है। इसमें ज्ञान विज्ञान की समस्त बातें निहित हैं। नासा के वैज्ञानिकों ने संस्कृत के महत्व को स्वीकारा है। संस्कृत का वैश्विक स्तर पर प्रचार बढ़ा है। पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि देश में कई भाषा हैं। उनमें विभिन्न आधार पर मतभेद सामने आते व विरोध की स्थिति निर्मित होती है।

शहीद स्मारक भवन में बॉलीवुड आर्टिस्ट राजीव ठाकुर ने ऑडियंस पर किया जोक...

स्टैंडअप कॉमेडियन राजीव ने युवाओं के बीच जमाया रंग, कॉमिक टाइमिंग से किया इंप्रेस

रायपुर। कई टीवी शो में बतौर कॉमेडियन सुर्खियां बटोरने वाले स्टैंडअप कॉमेडियन राजीव ठाकुर ने रविवार को शहर के शहीद स्मारक भवन में अपनी कॉमिक टाइमिंग से हर किसी को इंप्रेस किया। उनकी कॉमेडी को टीवी टैलेंट शो में पहचान मिली। रायपुर में उनकी एंट्री युवाओं के बीच उत्साह से सराबोर रही। स्टेज पर आते ही बोले- 'पांच सौ की टिकट में दो हजार की सीट दे रहा हूं, ले क्यों नहीं रहे हो? जरूर कुछ बात हैं, इंतेजाम करके रखे होंगे कि मौका आने पर बोतल खोल देंगे भाई। आ ही नहीं रहे। मैंने पहली बार इतने ढीठ मारवाड़ी देखे, चलो कोई बात नहीं बैठों। मेरे ऑडियंस तो आगे वाले हैं, पीछे तो सब गमले बैठे हैं।' कुछ इसी अंदाज में स्टैंडअप कॉमेडियन ने दर्शकों के बीच माहौल बनाया। इस प्रोग्राम का हिस्सा बनने भारी तादाद में कलाप्रेमी और हंसने-हंसाने का शौक रखने वालों की महफिल सजी। इसमें जाने-माने कॉमेडियन ने अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया। इसे दर्शक दीर्घा में मौजूद युवाओं ने ज्यादा पसंद किया और अपनी खुशी प्रोग्राम के बीच जाहिर की।

दिखा देंगें तो तुम लोग थिएटर ही तोड़ दोगे

जीई रोड स्थित शहीद स्मारक में जेन-जी और 90 की उम्र के लोगों की जीवनशैली को अपनी कॉमेडी का हिस्सा बनाया। ऑडियंस में एक लड़की को वीडियो बनाते देख बोले- लो कर लो बात, खींच लो फोटो और बताओ कौन-सा पोज दूं। मैं शाहरुख और जीतू जी। देखो अमीर के सामने हम बन जाते हैं मुजरे वाले। चलो आगे बढ़ते हैं। ऑडियंस में जेन-जी और 90 वाले हाथ उठाएं। यह जेन-जी के बच्चे मुझे बताओ कि सायरा मूवी को तुम लोगों ने देखा क्या हैं। जो थिएटर में 3-3 घंटे बैठ कर रो रहे हो। हम तुम्हें तेरे नाम दिखा देंगे तो तुम लोग थिएटर ही तोड़ दोगे। जितना कोरोना में बूढ़ों ने ओवर एक्टिंग की हैं ना, उतना यह जेन-जी सायरा मूवी देख करके कर रहे हैं। एक लड़का तो थिएटर में रोया और फिर 6 घंटे इसके लिए रोया, क्योंकि उसकी गर्लफ्रेंड नहीं थी।

मार्केट में एक नया प्रोडक्ट आया है एंग्जायटी और

मार्केट में एक नया प्रोडक्ट आया है एंग्जायटी, डिप्रेशन। ये बच्चे एक दिन पिज्जा ना खाएं तो बोलते हैं, भाई मुझे एंग्जायटी, डिप्रेशन होने लगा है। इसलिए कहता हूं, मारो इन जेन-जी को सब भूत एक साथ उतर जाएगा। मेरे बाप के डर से एंग्जायटी और डिप्रेशन बेड के नीचे घुस जाता कि कही इसका बाप आया तो हमको एंग्जायटी और डिप्रेशन हो जाएगा। 90 वालों की खास बात कि जब हमारी ब्लेट से कुटाई होती और कोई बचाने आ गया, समझ लो और जूते खाने वाले हो।

माफी मांगने के नए तरीके चलन में आ गए

ये मुझे लड़कियों का कुछ समझ नहीं आता कि माफी मांगने के नए तरीके ले कहा से आती हैं। हम एक सीखते हैं, तब तक मार्केट में दस और आ जाते हैं। छिंकने पर एक्सक्यूज मी, गलती पर माई बेड और अपॉलिजाइज जितना इंस्टा, ट्विटर और टिंडर पर ट्रेंड नहीं बदलते, उससे ज्यादा इनका माफी मांगने का तरीका बदल जाता है। इसे मार्केट में लड़कियां ही लेकर आती और बाद में बदल भी देती हैं।

हमारे जमाने में बाप बोलता, जा पानी लेके आ..

अब आते हैं 90 वाले पर। जब कुछ करो तो बाप डंडा के साथ चप्पलों की बारिश करता था। अब मार के दिखाओ ये जेन -जी को। पुलिस में कम्पेलन कर देते हैं। इसलिए, मुझे अब समझ आता है कि मेरा बाप क्यों बोलता था कि मार अपने आपको चप्पल मार। हम टीवी जब देखते तो रोमांटिक सीन आने पर बाप बोलता, जा जाके पानी लेके आ। लेकिन, 90 के बादमाश बच्चे छुपकर देखते थे। अब तो जमाना बदल गया। ओटीटी, सोशल मीडिया और नेटफ्लिक्स आ गए हैं। अब साथ में बैठ के अपने बच्चों के साथ मूवी देखो, तो भी पानी लेने और बोतल भरने हम ही जाते हैं, क्योंकि अब वे एडवांस हो गए हैं।

सिटी इवेंट

थीम बेस्ड रेडिमेड पंडालों की बढ़ी डिमांड, झालर झूमर और कृत्रिम फूलों से हो रही खास सजावट

रायपुर। गणेश चतुर्थी नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। घर, सोसाइटी और पंडाल की सजावट के लिए खरीदारों की भीड़ जुट रही है। इस बार भी बड़ी संख्या में लोग प्रतिमा स्थापना के लिए रेडिमेड पंडाल खरीद रहे हैं, जिससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है। इन पंडालों में लोग अपनी पसंद अनुसार विशेष डेकोरेशन भी करा रहे हैं। गोलबाजार और अश्वनी नगर के बाजार में छोटे दुकानों, स्टॉल और टेंट हाउस में बैकड्रॉप्स, सिंपल सजावट, तोरण, लाइट्स सहित त्योहार की शोभा बढ़ाने वाली आकर्षक सामग्री उपलब्ध है।

अलग-अलग साइज और डिजाइन में सजावट की सामग्री बाजार में उपलब्ध है, जिसमें बजट-फ्रेंडली से लेकर हाई-प्राइज रेंज तक के विकल्प हैं। इससे हर कोई बप्पा का स्वागत धूमधाम से कर सकता है। दुकानदार धर्म कुमार ने बताया कि इस बार भी लोगों में काफी उत्साह है। खरीदार 500 से 3000 रुपए तक के बैकड्रॉप्स ले रहे हैं, साथ ही घर की सजावट के लिए अलग से भी सामग्री खरीद रहे हैं। बाजार में बजट-फ्रेंडली से लेकर हाई-प्राइज रेंज तक के विकल्प हैं।

आर्टिफिशियल फूलों और झालर से सजावट

थीम बेस्ड सेटप त्योहार के ट्रेंड को देखते हुए लोग अब अपने घरों और पंडालों में थीम-बेस्ड सजावट को प्राथमिकता दे रहे हैं।एनीमेशन, पर्यावरण, शिव-पार्वती, प्राकृतिक फूलों और सिंपल लाइटिंग जैसी थीम इस बार विशेष पसंद की जा रही है। दुकान संचालक शिवम वर्मा ने बताया कि ग्राहक हर छोटी-बड़ी सजावटी वस्तु खरीद रहे हैं, ताकि तैयारियों में कोई कमी न रह जाए। उनकी दुकान में होलसेल और रिटेल दोनों में आर्टिफिशियल फ्लॉवर, फ्लॉवर पट्टी, लाइट, झालर, झूमर, पर्दे, मंडप, तोरण, शुभ-लाभ और अन्य सुंदर सजावटी सामान उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 200 से 2500 रुपए तक है। त्योहार नजदीक आते ही इन वस्तुओं पर 40 प्रतिशत तक की छूट भी दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ी कला मंच द्वारा पुरानी बस्ती अग्रवाल भवन में सुरमई शाम का किया गया आयोजन

सुर-संगीत के फनकारों ने फिल्मी और देशभक्ति गीतों से सजाई महफिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ी कला मंच द्वारा पुरानी बस्ती अग्रवाल भवन में रविवार को सुरमई शाम का आयोजन किया गया। गीत-संगीत से सजी इस महफिल में शहर के गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक मधुर फिल्मी गीत व संगीत की शानदार प्रस्तुति से समा बांध दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे संगीत प्रेमी बालीवुड फिल्मों के नए-पुराने गाने व देशभक्ति की गीतों पर देर शाम तक झूमते रहे। छत्तीसगढ़ी कला मंच के संस्थापक व संगीत कार्यक्रम के आयोजक गोवर्धन शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ी कला मंच सालों से शहर के गीत-संगीत के उभरते फनकारों को उनके प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करता रहा है। इसी कड़ी में सावन की रिमझिम फुहारों के बीच स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्ठमी फेस्टिवल के सीजन में फिल्मी, छत्तीसगढ़ी, देशभक्ति, धार्मिक गीतों की एक सुरमाला संगीत प्रेमियों के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कलाकारों व श्रोताओं ने भागीदारी निभा कर आयोजन को सफल बनाया।

देश रंगीला-रंगीला...सॉग्स ने किया देशभक्ति से ओतप्रोत

कार्यक्रम में जानेमाने बैंड इस्ट्रूमेंट कलाकार आरिफ खान ने तुरुहीवाद्य यंत्र यानी ट्रंपपेट की धुन पर देश रंगीला-रंगीला गीत के साथ धुनों की जुगलबंद कर श्रोताओं को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। वहीं सृष्टी अग्रवाल और अजय साहू ने फिल्मी गीत टीप-टीप बरसा पानी...ड्यूट सॉग पर प्रस्तुति से महफिल की शाम को सुरमई बना दिया। इसके अलावा युवा प्रतिभाशाली कलाकार नितेश नायक ने आज से मेरी सारी खुशियां तेरी हो गई...फिल्मी सांग से श्रोताओं का अपने मधुर आवाज से दिल जीत लिया।शाम में उपस्थित सभी प्रतिभागी कलाकारों, अतिथियों व श्रोताओं ने आरिफ की इस सांधर प्रस्तुति के लिए उनका तालियों की गड़गड़हाट से अभिवादन किया।

कलाकारों का किया सम्मान

प्रतिभागी कलाकारों में मनोहर ठाकुर, मनोज मसंद, अजय श्रीवास्तव, कमलेश सिंहा, अजय साहू, चिंतन राव, आकर्ष दीवान, पूजा सिंह, अफ्शा कुरैशी, सृष्टी अग्रवाल सहित छत्तीसगढ़ी कला मंच के सदस्यों, अतिथियों एवं नए प्रतिभाशाली कलाकारों का मेमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक प्रतिभागी कलाकारों ने शिरकत किया। आयोजन प्रमुख गोवर्धन शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ी कला मंच गीत-संगीत के प्रति संमर्पित प्रतिभाओं का हमेशा सम्मान व सहयोग करता रहेगा।

यूपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले एसटी, एससी अभ्यर्थियों को मिलेगी एक लाख की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। राज्य शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग रायपुर द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष 2025 में सफल होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रदेश के अभ्यर्थियों को एक लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 उत्तीर्ण करने वाले पात्र अभ्यर्थी 12 अगस्त 2025 तक आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, ब्लाक-डी. भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर छ.ग. में स्पीड पोस्ट रजिस्टर्ड डाक या स्वयं उपस्थित होकर अपना आवेदन जमा कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन का प्रारूप वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

मैग्नेटो मॉल में रेड कारपेट पर प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा, मंच पर लगाया टैलेंट का तड़का

संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम, कोई आदिवासी पहनावे में तो किसी ने दुल्हन के परिधान में किया रैंप वॉक

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के मैग्नेटो मॉल में रविवार को महिलाओं और युवतियों को प्रतिभागी के रूप में रैंप वॉक करने का अवसर मिला। रेड कारपेट पर सभी महिलाओं, युवतियों के साथ ट्रांसजेंडर ने भी हुस्न का जलवा बिखेरने में कोई कसर नहीं की। नई उमंग वेलफेयर के इस रंगारंग प्रोग्राम से जुड़ने के लिए प्रतिभागियों का उत्साह रैंप वॉक के दौरान भी देखने को मिला। सावन उत्सव एवं टैलेंट शो में देश की एकता को पेश किया। इसमें संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। किसी ने रैंप वॉक करते हुए आदिवासी कला-संस्कृति और पहनावे को टैलेंट शो का हिस्सा बनाया, तो किसी ने दुल्हन के परिधान में रैंप वॉक करते हुए लोगों के बीच अपनी छाप छोड़ी। कई आकर्षक क्रम में सोलह श्रृंगार, फैशन शो (किड्स, महिला और पुरुष वर्ग), ब्राइडल प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता और नृत्यों की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। छत्तीसगढ़िया अंदाज में प्रतिभागी पुतले के रूप में बच्चों को कंधे पर लेकर वॉक करते हुए ऑडियंस से वाहवाही भी लूटी।

छत्तीसगढ़ी पहनावे की स्टेज पर रही धमक

आयुष कांगे ने छत्तीसगढ़ी पुरुष और महिला के पहनावे को एक साथ प्रस्तुत किया। दाएं हाथ में हथियार व धोती पहने तो बाएं हाथ में धान की बाली लिए पारंपरिक साड़ी पहने सबका दिल जीत लिया। बेहद खूबसूरती से छत्तीसगढ़ी परंपरा को ऑडियंस और निर्णायक के सामने पेश किया। इससे छत्तीसगढ़ी संस्कृति के साथ ही आदिवासी पहनावे में प्रतिभागियों को रैंप वॉक के दौरान देख दर्शक उत्साहवर्धन करते नजर आए। तालियों की गूंज से सब में उत्साह की लहर जगी। इसमें 50 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपने टैलेंट को शानदार अंदाज में पेश किया।

परंपरा के साथ ही वेस्टर्न को बनाया खास

रैंप वॉक में युवतियों ने वेस्टर्न ड्रेस पहन कर बॉलीवुड स्टाइल में वॉक करते हुए दर्शकों को हैरान किया। शर्ट- स्टाइल ड्रेस, बॉडीकॉन ड्रेस, गाउन, स्कर्ट, शॉर्ट्स में सभी प्रतिभागियों ने बॉलीवुड मॉडल की तरह रैंप वॉक किया। सभी ने अलग-अलग अंदाज में अपना जलवा बिखेरा। जब स्टेज पर ट्रासजेंडर ने नमस्ते करते हुए वॉक करना शुरू किया तो सभी ने तालियों से प्रतिभागी का आत्म विश्वास बढ़ाया। प्रतिभागी के इस अनोखे अंदाज को लोगों ने भी पसंद किया।

ब्राइडल प्रतियोगिता में दिशा साहू विजेता

कार्यक्रम के समापन में विजेताओं की घोषणा हुई। इसमें ब्राइडल प्रतियोगिता में दिशा साहू विनर बनी। रैंप वॉक में विनर गीतांजलि सेन और मीनाक्षी साहू रनरअप रहीं। मेल रैंप वॉक में धनेश्वर साहू प्रथम व रनरअप आयुष कांगे बने। प्रोग्राम का सफल संचालन आयोजन समिति द्वारा किया गया। विजेताओं को मंच पर सम्मानित करते हुए सभी प्रतिभागियों के उत्साह व मेहनत की सराहना की गई।

इवेंट लाइव

दही हांडी लूट-बैल दौड़ स्पर्धा रहेगी आकर्षण का केन्द्र

रायपुर। कृष्ण मित्र फाउंडेशन के तत्वावधान में 16 अगस्त को जन्माष्टमी और 23 अगस्त को रावणभाठा मैदान में पारंपरिक बैल दौड़, बैल सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इससे पहले पदाधिकारियों ने मीटिंग में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का विभाजन भी किया। मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत वर्षों की भांति ही जन्माष्टमी पर्व थाना सिटी कोतवाली के बंदी गृह में मनाया जाएगा। इसके लिए हर काम का दायित्व अलग-अलग लोगों को दिया। बैल दौड़ प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर पदाधिकारी ने चर्चा की। आने वाले प्रतिभागियों को जरूरी सुविधा देने के लिए भी आयोजक संस्था के पदाधिकारियों ने चर्चा की। इसके लिए लोगों ने पंजीयन करने के लिए अलग से व्यवस्था बनाई है।

युवाओं की बनाई जाएगी टीम, देंगे जरूरी सहयोग

इस बार भी दही हांडी लूट प्रतियोगिता में अलग-अलग क्षेत्र से आने वाले ग्वालों की टोली अपने हुनर दिखाने के लिए मैदान में फिर उतरने की तैयारी में है। इसके लिए कुछ दलों ने संपर्क करना शुरू किया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, केदारनाथ गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, सूर्यकांत राठौर को आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए आमंत्रित करने का सिलसिला भी शुरू किया है। युवाओं को दही हांडी लूट के बीच हरसंभव सहयोग के लिए युवाओं की टीम तैयार की जाएगी। जो प्रतियोगिता में शामिल ग्रुप को व्यवस्था से जोड़ेंगे।

समाज लाइव

कला को बचाने सरकार और समाज को करनी होगी पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और संस्कृति को समर्पित मंच आखर में सुप्रसिद्ध लोक कलाकार राकेश तिवारी शामिल हुए। यह आयोजन प्रभा खेतान फाउंडेशन और अभिकल्प फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में सूत्रधार की भूमिका गौरव गिरिजा शुक्ला ने निभाई। इस विमर्श में राकेश तिवारी ने अपनी छत्तीसगढ़ी रंगमंच की यात्रा, लोकनाट्य की भूमिका तथा संगीत से जुड़ाव पर विस्तार से बात की। अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने बताया कि ग्रामीण परिवेश में बचपन से ही उन्हें छत्तीसगढ़ की लोककला से जुड़ने का अवसर मिला। घर में दादा-दादी से सुनी लोक गाथाओं और गांव में आयोजित होने वाले नाचा-गम्मत ने उन्हें इस कला से जुड़ने में अहम भूमिका निभाई। गांव के बाद रायपुर आने पर वो रंगमंच, नाटक और आकाशवाणी से जुड़ गए। उन्होंने मंच पर अपने चर्चित नाटक 'फोकलवा' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी मंच ने उन्हें जनमानस में पहचान दिलाई।

कलाप्रेमी और साहित्यकारों की रही भागीदारी

कार्यक्रम में शहर के कलाप्रेमी और साहित्यकारों के साथ ही युवा कलाकार भी जुटे और सभी ने आखर के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं पूर्व प्रमुख लोकायुक्त टीपी शर्मा ने राकेश तिवारी को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन वैभव पांडे बेमेतरिहा ने किया।

आज उनके दोनों पुत्र भी मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में कार्यरत हैं और इस रचनात्मक परंपरा को अपने-अपने स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। कला के संरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि शासन और समाज दोनों को आगे आना होगा। हमारी अनेक सांस्कृतिक विरासत धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। इसे बचाया जाना चाहिए। सबको मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि नई पीढ़ी को लोककला के प्रशिक्षण के जरिए फिर से पुनर्जीवित किया जा सकता है।

आराधना

माता की आज्ञा का पालन करें, उनकी बराबरी हजारों पिता नहीं कर सकते

रायपुर। श्री शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला के प्रमुख डॉ.स्वामी इन्दुभवानन्द महाराज ने शिव पुराण कथा की व्याख्यान करते हुए बताया कि पिता से माता श्रेष्ठ होती है। इसलिए, वेद भगवान उपदेश देते हुए कहते हैं माता का भक्त बन। प्रथम परिचय प्राणी का माता से होता है, वही पिता का ज्ञान कराती है। अतः माता सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। धर्मशास्त्र में दस उपाध्यायों की अपेक्षा एक आचार्य श्रेष्ठ होता है, क्योंकि आचार्य अनुभवशील होता है। सैकड़ों आचार्य की अपेक्षा एक पिता श्रेष्ठ होता है, लेकिन हजारों पिता मिलकर भी एक माता की बराबरी नहीं कर सकते हैं। अतः माता सर्वश्रेष्ठ और पूज्य मानी जाती है। माता की आज्ञा का उल्लंघन व्यक्ति को नहीं करना चाहिए। गणेश जन्म की कथा के प्रसंग में महाराज ने आगे बताया कि भवानी पार्वती ने मन में विचार किया कि हमारा कोई व्यक्तिगत सेवक होना चाहिए।

माता की आज्ञा का किया पालन

महाराज ने प्रसंग में कहा कि जो हमारी बात माने इस बात को ध्यान में रखकर माता पार्वती ने अपने मैल से एक पुत्र को तैयार किया। हाथ में दंड देकर आदेश दिया तुम द्वारपाल बनकर खड़े हो जाओ। शिव के गण एवं स्वयं भगवान परामबा मां भगवती पार्वती के कक्ष में प्रवेश करना चाह रहे थे। गणेश ने मना कर दिया। इस समय आप अंतःपुर में प्रवेश नहीं कर सकते हैं, माता की आज्ञा नहीं हैं। जब तक माता की आज्ञा नहीं होगी, तब तक आप प्रवेश नहीं कर सकते हैं। शिव ने अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं शिव हूं, पार्वती का पति हूं, मुझे जाने का पूर्ण अधिकार है।

● श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में तैयारी, फूलों से सजेंगे मंदिर परिसर

इस्कॉन में श्रीराधा-कृष्ण पहनेंगे जोधपुरी पोशाक खाटू श्याम में मुंबई के कलाकार सुनाएंगे भजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 16 अगस्त को जन्माष्टमी की धूम पूरे शहर में देखने को मिलेगी। इस बार शहर में सदर बाजार स्थित गोपाल मंदिर, इस्कॉन मंदिर, गोकुलचंद्रा मंदिर, गिरिराज मंदिर, महादेवघाट स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर, खाटू श्याम मंदिर में दो से तीन दिवसीय भव्य आयोजन होने जा रहे हैं। जहां महोत्सव के साथ रात्रि 12 बजे ढोल-बाजे व मधुर कीर्तन के बीच प्रभु का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा।

कीर्तन मेले में प. बंगाल के भजन गायक पेश करेंगे भक्ति गीत

इस्कॉन मंदिर में 15-17 अगस्त तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है, इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए शामिल होंगे। 15 अगस्त को बलराम पूर्णिमा और बाल उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। एकल-सामूहिक नृत्य, कीर्तन, श्रीकृष्ण की झांकी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। 24 घंटे कीर्तन मेले का आयोजन किया गया है, जहां पश्चिम बंगाल के मायापुर से भजन गायकों को आमंत्रित किया गया है।

फूलों से सजेगा गोपाल मंदिर, पंजीरी का प्रसाद बंटेगा

सदर बाजार स्थित गोपाल मंदिर को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर फूलों व रंगबिरंगी लाइटिंग से सजाया जाएगा, जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए पहुंचेगी। इस खास अवसर पर सुबह 10.30 बजे तिलक लगाकर श्रृंगार दर्शन का मौका मिलेगा। इस दौरान लड्डू गोपाल का प्रिय भोग पंजीरी प्रसादी स्वरूप अर्पित की जाएगी, जहां देर शाम शहर की भजन मंडली द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

रायपुर। महोत्सव के लिए अन्य राज्यों से भजन मंडलियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, जो मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति में सराबोर करेंगी। मंदिरों की सजावट भी खास अंदाज में की जा रही है, जिसके लिए बाहर से कारीगर बुलाए गए हैं। इस्कॉन मंदिर रायपुर में तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें देशभर से प्रख्यात संत उत्सव में शामिल होंगे। फूलों की होली, धार्मिक प्रवचन, रासलीला, कीर्तन, प्रभु का जन्मोत्सव और विशेष आरती के साथ वातावरण भक्तिमय रहेगा।"

मुंबई के गायक पेश करेंगे भजन

समता कॉलोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर में जन्मोत्सव के खास अवसर पर मुंबई के भजन गायकों को आमंत्रित किया गया है, जहां देर शाम गायक नम्रता करवा और गोविंद अपने मधुर भजनों से दर्शकों के बीच समां बांधेंगे। रात 12 बजे जन्मोत्सव के बाद 12.30 महाआरती का आयोजन किया गया है, इस दौरान खाटू बाबा श्वेत पोशाक में नजर आएंगे। फूलों से श्रृंगार और पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा।

नंदोत्सव में सखा और गोपियां बनकर शामिल होंगे श्रद्धालु

बुढ़ापारा स्थित गोकुलचंद्रा मंदिर में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जहां 16 अगस्त को रंगबिरंगे फूलों से हवेली की मनमोहक सजावट की जाएगी। यहां ठाकुरजी के लिए 56 प्रकार के राजभोग तैयार किए जाएंगे, जिसमें 4 विभिन्न प्रकार के चावल, 4 प्रकार की सब्जी व अनेक मिष्ठान तैयार किए जाएंगे। 17 अगस्त को वृंदावन की तर्ज पर नंदोत्सव मनाया जाएगा, जहां ग्वाले, गोपियां व सखा बनकर श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान भगवान शंकर की झांकी भी देखने को मिलेगी, जिसमें वे श्रीकृष्ण के दर्शन करने पहुंचेंगे।

श्रीराधा-कृष्ण को 501 व्यंजनों का लगाएंगे भोग

इस्कॉन मंदिर से चांद साहू ने बताया कि जन्मोत्सव के खास अवसर पर 501 प्रकार के व्यंजनों से श्रीराधा-कृष्ण को भोग लगाया जाएगा। वहीं जोधपुर से मिरर वर्क में तैयार चमकीली पोशाक व आभूषणों के साथ श्रृंगार किया जाएगा, यह पोशाक 1 लाख 82 हजार रुपए में तैयार की गई है, जिसकी सुंदर कारीगरी ही इसे विशेष बनाती है। इस मौके पर प्रतिमा एवं मंदिर परिसर को फूलों से सजाया जाएगा। वहीं फूलों की होली भी खेली जाएगी। इसके लिए 10-12 क्विंटल फूल कोलकाता और नागपुर से मंगाए जा रहे हैं।

सोने-चांदी के आभूषणों से सजेंगे बांके बिहारी

महादेवघाट स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में सुबह 7 बजे अभिषेक से महोत्सव की शुरुआत होगी, जहां वृंदावन की पोशाक और स्वर्ण-चांदी के आभूषणों से श्रृंगार किया जाएगा। इस खास मौके पर 56 भोग प्रसादी अर्पित की जाएगी। वहीं देर शाम मानस मंडली व महिला समूह द्वारा जन्मोत्सव की रात्रि भजन संध्या का आयोजन भी रखा गया है।

जो व्यक्ति हमसे अधिक गुणवान हो, उसके प्रति विनम्र रहना व्यक्तित्व को ऊंचा बनाता है

रायपुर। आम्रपाली सोसायटी स्थित श्री अभिनंदन स्वामी मंदिर परिसर में रविवार को आयोजित कषायों की व्यथा महाभारत कथा प्रवचन श्रृंखला के दौरान पूज्य मुनिराज श्री शोभतिलक विजय ने कहा कि अनादिकाल से जीव संसार में भ्रमण करते हुए दुख-दर्द दूर करने का प्रयास कर रहा है। सुख-शांति की प्राप्ति हर जीव की मूल भावना है, लेकिन संसार में दुख आना स्वाभाविक है। मुनिश्री ने कहा कि जैसे यात्रा में दूरी और समय मापा जा सकता है, वैसे सुख का कोई निश्चित मापदंड नहीं है। मनुष्य जन्म दुर्लभ है और इसे फिर से पाना निश्चित नहीं, इसलिए वास्तविक सुख की प्राप्ति के लिए परमात्मा के मार्ग पर चलना आवश्यक है।

रविवारीय संस्कार शिविर में बच्चों ने सीखी विनयशीलता

आम्रपाली सोसायटी में चल रही चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला के दौरान रविवार को दोपहर 2 से 4 बजे तक बच्चों के लिए विशेष संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विषय 'विनय' रहा, जिसे बच्चों ने पूज्य मुनिराज श्री शोभनतिलक विजय की निश्रा में ग्रहण किया। मुनिश्री ने कहा कि विनय का अर्थ केवल नम्रता दिखाना नहीं, बल्कि अपने मन में सच्चा सम्मान रखना है। जो व्यक्ति हमसे अधिक गुणवान हो, उसके प्रति विनम्र रहना हमारे व्यक्तित्व को ऊंचा बनाता है। यह भाव हमें अहंकार से दूर रखता है और सीखने की प्रेरणा देता है। साथ ही, अपनी कमियों को पहचानना और उन्हें सुधारने का प्रयास करना आत्मविकास की सबसे बड़ी कुंजी है। जब हम दूसरों की अच्छी बातों की सराहना करते हैं, तो न केवल उनका उत्साह बढ़ता है, बल्कि हम स्वयं भी उन गुणों को अपनाने की ओर अग्रसर होते हैं।

जीवन में सेवा के मौके से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए

तीन चीजों को हासिल करने पर हमारा पारिवारिक जीवन सफल हो जाएगा। पहला परिवार में ऐसा वातावरण बनाएं कि सुबह से लेकर शाम तक अशांति ना हो। दूसरा हम संस्कारों के लिए जागृत हो जाएं। संस्कारों को विशेष महत्व दें। तीसरा प्रगति करें। एक- दूसरे की मदद करने से पीछे नहीं हटे। चाहे वह अर्थ के क्षेत्र में हो या धर्म के क्षेत्र में। हमेशा एक - दूसरे को सहयोग कर आगे बढ़ाएं। शांति, संस्कार और प्रगति इन तीन धुरियों पर ही हमारे परिवार की व्यवस्था टिकी हुई है। हम कोशिश करें कि परिवार व्यवस्था में हम अच्छे सदस्य की भूमिका निभाएं। ये संदेश टैगोर नगर पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रवचनमाला में उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने दिया। धर्मसभा में परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि मन शांत हो, अच्छे संस्कार हो तो प्रगति का कारण बनता है। परिवार में जीना है तो एक छोटा सा फार्मूला फॉलो करना चाहिए। सेवा के मौके से कभी कतराना नहीं चाहिए।

साधु-संतों के सानिध्य में निकली भव्य अष्टापद भाव यात्रा

रायपुर। भावोल्लास चातुर्मास समिति एवं विमलनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को अष्टापद भाव यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ संघपति श्री शेखर कोठारी के निवास से साधु भगवंतों के पावन सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर लाभार्थी शेखर कोठारी परिवार एवं पुष्पादेवी सोनगरा परिवार बग्गी में विराजमान थे। इस यात्रा में सैकड़ों धर्मप्रेमी महिला, पुरुष एवं बच्चे नाचते-गाते सम्मिलित हुए। मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवृष्टि कर यात्रा का स्वागत किया। भाव यात्रा हिरसुरी भवन पहुंचकर पूर्ण हुई, जिसके पश्चात साधु भगवंतों का प्रवचन प्रारंभ हुआ। प्रवचन में परम पूज्य श्री तीर्थ प्रेम विजय म.सा. ने अष्टापद भाव यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ एवं उनके पुत्रों की दिव्य गाथा सुनाई। उन्होंने बताया कि भगवान आदिनाथ के ज्येष्ठ पुत्र भरत चक्रवर्ती ने पर्वत पर अष्टापद मंदिर का निर्माण कराया था। आदिनाथ भगवान से आगे के 23 तीर्थंकरों का वर्णन सुनकर आदिनाथ भगवान सहित 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाएं बहुमूल्य रत्नों से निर्मित करवाई थीं।

भजन एवं संगीत से साधु-साध्वी भगवंतों का स्वागत

मुनि श्री ने आगे बताया कि दूसरे तीर्थंकर अजितनाथ भगवान के भाई सगर चक्रवर्ती नाम के हुए। सगर चक्रवर्ती के साठ हजार पुत्र थे। एक बार उन्होंने यात्रा के दौरान अष्टापद तीर्थ के दर्शन किए। वहां के वैभव और रत्नमय प्रतिमाओं को देखकर उनके मन में इस मंदिर की सुरक्षा का विचार आया। उन्होंने मंदिर के चारों ओर विशाल खाई (गड्ढा) खोदने और उसमें पानी भरने का निर्णय लिया, ताकि कोई भी वहां आसानी से न पहुंच सके। खाई की खुदाई इतनी गहरी हुई कि इसका असर पाताल लोक में नाग लोक तक पहुंचा। नागलोक के नागों ने उन्हें चेतावनी दी, किंतु 60,000 पुत्र मंदिर की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने को तत्पर रहे। अंततः नागों के क्रोध से वे सभी भस्म हो गए। प्रवचन के पूर्व श्रद्धालुओं ने मधुर भजन एवं संगीत से साधु-साध्वी भगवंतों का स्वागत किया। आयोजन के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक आनंद का संचार रहा।

कमरछठ व्रत की तैयारी में जुटीं व्रती महिलाएं, बाजारों में पूजन सामग्री की शुरू हुई खरीदी-बिक्री

कमरछठ पूजा के लिए सजा बाजार, पसहर चावल महुआ लाई, चना-मिट्टी की चुकिया की डिमांड

कार्नर न्यूज

रायपुर। कमरछठ व्रत से तीन दिन पूर्व ही पूजा सामग्री की बाजार सज गई है। 14 अगस्त को कमरछठ व्रत है। ऐसे में शहर के गोलबाजार, भाठागांव, संतोषीनगर मेन रोड, शास्त्री बाजार में पसहर चावल, चना, लाई, महुआ और मिट्टी की चुकियां की खरीदी-बिक्री शुरू हो गई है। वहीं कांसी, खम्हार, दोना-पत्तल, दातून, भाजी, फूल, बेल पत्ते, दूब समेत दूसरे जरूरी सामान व्रत के पूर्व संध्या पर जोर-शोर से खरीदी-बिक्री की जाएंगी। इसके अलावा व्रत में भैंस के दूध, दही और घी का विशेष महत्व होता है। ऐसे में अभी से घी की खरीदारी डेयरी व आसपास के भैंसथानों पर होने लगी हैं। शहर के प्रसिद्ध महामाया मंदिर के पंडित मनोज शुक्ला के मुताबिक माताएं अपने संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु के लिए हलषष्ठी (कमरछठ) का व्रत करती हैं। माताएं अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए दिनभर उपवास रखेंगी। फिर दोपहर मध्याह्न के समय कालोनियों, गली-मोहल्लों और मंदिरों में सगरी बनाकर सगरी को कांसी, फूल, बेल पत्रों से सजाकर हलषष्ठी की कथा सुनेंगी और शिव, गौरी, गणेश पूजा की करेंगी। सगरी में व्रती महिलाएं हलषष्ठी की पूजा कर पसहर चावल, भैंस का दूध, दही, बेल पत्र, कांसी, खमार, महुआ, सात प्रकार के अनाज, भाजी, भंवरा-बांटी अन्य पूजा सामग्री अर्पित करती हैं। इसके बाद पसहर चावल और सात प्रकार की भाजी से बनी प्रसाद फलाहारी ग्रहण कर व्रत तोड़ेंगी। 14 अगस्त को हलषठी पूजन व्रती माताएं करेंगी। इस दिन भैंस के दूध, दही और घी का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन व्रती महिलाओं को गाय के दूध, दही और घी का प्रयोग वर्जित है। यही कारण है कि ज्यादातर महिलाएं व्रत की तैयारी पहले से ही करनी शुरू कर देती हैं।

पसहर चावल की कीमत 120-180 रुपए प्रति किलो

संतोषी नगर तरुण बाजार में पसहर चावल 120-150 रुपए किलो तक बिक रहा है। वहीं, प्रसादी सामग्री महुआ, लाई, चना, गेहूं, अरहर की 50 ग्राम की पैकेट 20 रुपए तक बिक रहे हैं। मिट्टी की चुकियां 50 से 60 रुपए जोड़ी बिक रही है। कमरछठ पूजा सामग्री विक्रेताओं ने बताया कि कांसी, खम्हार, दोना-पत्तल, दातून, भाजी समेत दूसरे जरूरी सामान व्रत की पूर्व संध्या पर उपलब्ध होगी। अभी पसर चावल, महुआ, लाई, चना, गेहूं, अरहर अनाज, मिट्टी के बर्तन, दीये, चुकियों की बिकवाली हो रही है।

भैंस के घी की विशेष मांग 800 से 1000 रुपए प्रति किलो

इस दिन भैंस के दूध, दही और घी का विशेष महत्व होता है। क्योंकि, इस दिन व्रती महिलाएं भोग, प्रसादी भैंस के दूध, दही और घी का उपयोग करती हैं। यही कारण है कि हलषष्ठी व्रत पर भैंस के दूध 80 रुपए लीटर, दही 100 रुपए प्रति किलो तो घी 800-1000 रुपए प्रति किलो के भाव से डेयरी या शहर के भैंसथानों में बिक रहा है।

सिटी स्पोर्ट्स

बीसीए के संजीत को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दिलीप ट्रॉफी में मौका

भिलाई। बीसीसीआई द्वारा दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन टीम की घोषणा की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के लेफ्ट हेंडर आयुष पांडे एवं मिडिल ऑर्डर बैट्समैन संजीत देसाई का चयन उनके घरेलू क्रिकेट मे छत्तीसगढ़ की टीम की ओर से खेलते हुए लगातार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

संजीत देसाई भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के खिलाड़ी है जिन्होंने रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एवं सी के नायडू ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2024-2025 में 11 इनिंग में 693 रन बनाए। जिसमें 3 सेंचुरी और तीन हाफ सेंचुरी थी। विजय हजारे ट्रॉफी (एकदिवसीय) 2024- 25 सत्र में 5 इनिंग में 203 रन जिसमें एक सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी रणजी ट्रॉफी के 2023 -2024 सत्र में 8 इनिंग में 431 रन बनाएं। जिसमें एक डबल सेंचुरी और दो हाफ सेंचुरी थी। विजय हजारे ट्रॉफी के 2023 2024 सत्र में तीन इनिंग में 136 रन बनाएं,जिसमें उच्चतम स्कोर73 रन था। उन्होंने सीके नायडू ट्रॉफी के 2022 - 2023 सत्र में 9 इनिंग्स में 695 रन बनाएं जिसमें पांच इनिंगमें चार शतक लगाए। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (2023- 2024) सत्र में उन्होंने कुल 144 रन बनाएं। मेंसअंडर- 25 स्टेट ए ट्रॉफी के सात इनिंग में 372 रन बनाएं. जिसमें एक शतक और दो अर्ध शतक थे। सेंट्रल जोन अंडर- 14 की राज सिंह डुंगरपुर ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ टीम के कप्तान थे। अंडर 16 की विजय मर्चेंट ट्रॉफी (2012-13) में छत्तीसगढ़ टीम के उप कप्तान थे। चार मैच में 248 रन बनाएं एवं 8 विकेट लिए अंडर 16 की विजय मर्चेंट ट्रॉफी (2013-14) मैं छत्तीसगढ़ टीम के कप्तान चार मैच में 308 रन बनाएं एवं 10 विकेट लिए बीसीसीआई की कुच बेहार ट्रॉफी अंडर-19 मैं छत्तीसगढ़ टीम के कप्तान रहे। जिन्होंने 6 मैच में 450 रन बनाएं। संजीत देसाई के दिलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल जोन टीम का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन होने पर भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमेन, अध्यक्ष,उपाध्यक्ष सचिव, एवं छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिसंघ के उपाध्यक्ष तथा भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के समस्त एग्जीक्यूटिव मेंबर्स ने शुभकामनाएं दी है। यह जानकारी भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भास्कर गोस्वामी ने दी।

स्टेट चैंपियनशिप में रायपुर नेटबॉल टीम को तीसरा स्थान

रायपुर। जांजगीर में आयोजित 1st सीनियर फ़ास्ट फाइव स्टेट लेवल नेटबॉल चैंपियनशिप में रायपुर जिला महिला नेटबॉल टीम ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिला नेटबॉल एसोसिएशन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दिए। यह जानकारी जिला सचिव अनूप यदु ने दी।

सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो में छात्रों ने जीते पदक

रायपुर। सीबीएसई फॉर ईस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप राजनांदगाव संस्कार सिटी स्कूल में आयोजित की गई। जिसमे भाटापारा के 20 खिलाड़ियों को पदक प्राप्त हुआ। आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता राजस्थान में आयोजित है। जिसमे 15 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर में हुआ है। इनमें पी अभिषेक, झरना साहू, वंश यदु, सक्षम साहू, आरोही मानिकपुरी, चिंकी रात्रे, कुशल साहू, पुष्कर वर्मा, डॉली साहू, कान्हा शर्मा, याचिका देवांगन, वर्तिका साहू, चित्रांशी साहू, अखिल जंगड़े, दीप्ती निषाद, भावेश बाघमार, मचल जैन, नितेश साहू, विनय केवट, मानस केशरवानी शामिल है।

इस अवसर पर प्रदेश उपध्यक्ष शिवरतन शर्मा, जिला जूडो संघ के संरक्षक अश्वनी शर्मा, प्रदेश जुडो संघ के अध्यक्ष अरुण विवेदी, सचिव संभूराम सोनी, हैप्कीड़ो के संरक्षक कैलाश बलानी, बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष डॉ विकास अडील, परमानन्द सचदेव, आर के फूटान, मुरलीधर राव, जिला संघ के उपाध्यक्ष पीताम्बर साहू, सचिव पी किरन, सहसचिव अभय केशरवानी, संघ के सदस्य राहुल शर्मा, कोच यशवंत ध्रुव, भारतीय संघ की ब्लैक बेल्ट नेहा वर्मा, नेहा साहू, सीनियर खिलाड़ी अनपूर्णा देवांगन, संदीप रात्रे, बलराम यादव ने बधाई दी है।

नमी से भरे मौसम में संक्रमण की बढ़ जाती है आशंका

बारिश के इस मौसम में बच्चों में दिख रहे लक्षणों को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकती है समस्याएं

बारिश के इस मौसम में कब्ज की समस्या सबसे ज्यादा बच्चों को होती है, क्योंकि वे अक्सर पोषण से भरपूर आहार से दूर भागते हैं और बाहर की चीजों का ज्यादा सेवन करते हैं। अक्सर लोगों को लगता है कब्ज बड़ों की बीमारी है लेकिन ऐसा है नहीं, छोटे बच्चों का जब पेट साफ नहीं होता, आंतों में खाना चिपक जाता है और पेट फूलने भी लगता है, तब उसे कब्ज की दिक्कत होती है। इसके पीछे कोई उम्र या एक कारण नहीं है। पेट या लिवर की समस्या, पानी कम पीना, अस्वस्थ भोजन करना, तली हुई चीजों का सेवन या फिर मैदा या जंक फूड पेट में जल्दी हजम नहीं हो पाते। ऐसे में वे अंदर की गंदगी बनकर जमा होने लगते हैं और फिर स्टूल पास करने में दिक्कत होती है। कई बच्चों की पाचन शक्ति बचपन से ही कमजोर होती है, इस वजह से भी यह परेशानी आती है। इसके अलावा कई और कारण भी इसमें शामिल हो सकते हैं, आजकल बच्चों को पढ़ाई का स्ट्रेस बहुत ज्यादा है, ऐसे में बाहर खेल कूद और एक्सरसाइज करने का वक्त नहीं मिलता और यह बीमारी पनपने लगती है। इसमें पेट में दर्द, पेट टाइट रहता है। स्टूल पास नहीं होता। सिर में दर्द, बदहजमी, पैरों में दर्द और पेट में गैस या एसिडिटी बनी रहती है।

उपाय भी जान लें

अगर आप बच्चे को रोजाना गुनगुने दूध में एक केला मिलाकर दें तो उसका पेट साफ रहेगा। इसके अलावा दूध में हल्दी या शहद डालकर बच्चे को पिलाया जाए तो भी उसका पेट साफ होगा और स्टूल भी आसानी से हो जाएगा। बच्चों को सुबह या फिर दोपहर के भोजन में एक कटोरी भरकर सलाद या फल जरूर खिलाएं।

ओट्स, मिलेटस की रोटियां, सूप, ईसबगोल आदि खाद्य पदार्थों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए इनको बच्चों के आहार में अवश्य शामिल करें। आप रोजाना सुबह भीगी अंजीर या बादाम भी दूध में मिलाकर या फिर ऐसे ही बच्चे को दे सकती हैं। चाहें तो अंजीर को उबाल कर भी दे सकती हैं। इससे कब्ज में राहत मिलती है। जानकारों के अनुसार, बच्चों को रात में त्रिफला का चूर्ण पानी के साथ देने से भी उनका पेट साफ होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

कुछ बातों का खास ख्याल

व्यायाम करने से पाचन में मदद मिलती है और बिना किसी दिक्कत के पेट आसानी से साफ होता है। बच्चे के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक कोई फिजिकल एक्टिविटी या एक्सरसाइज करना जरूरी है। आप वॉकिंग, खेलना, योग, दौड़ना, डांस या एरोबिक्स आदि करा सकती हैं। दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स से बच्चे को थोड़ा दूर रखें। मैदा, बाहर की चीजें, तेल, पिज्जा बर्गर, ये सारी चीजें आंतों में चिपक जाती हैं, इसलिए बच्चे के आहार को इनसे मुक्त रखें। बच्चों को खाने में ज्यादा फैट न दें, विटामिन युक्त भोजन ही दें। अगर लंबे समय तक यह समस्या बनी रहती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

घी या तेल की मालिश

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. रमाकांत द्विवेदी कहते हैं, जिन बच्चों की जठराग्नि बचपन से ही मंद होती है, उनकी पाचन क्रिया धीमी होती है और मल त्याग करने में दिक्कत आती है। अगर ऐसा है तो इस में घी या तेल की मालिश बहुत ही कारगर है, पेट या नाभि के आस-पास क्लॉक वाइज मालिश करने से आंतें खुलती हैं और स्टूल ढीला होता है, इसके अलावा गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने को दे सकती हैं और इसमें सिकाई भी बहुत काम आती है। कई बार बच्चे ज्यादा कुछ करना या खाना नहीं चाहते, ऐसे में पेरेंट्स को ही उसके उपाय करने होते हैं।

तनाव दूर करने के मददगार होगी चिन्मय मुद्रा

यूं तो हम सभी हमेशा हंसते-मुस्कुराते रहना चाहते हैं। लेकिन, फिर भी न चाहते हुए, तनाव कहीं न कहीं से आकर हमें घेर लेता है। आपको एक ऐसी मुद्रा के बारे जानना चाहिए, तो तनाव दूर करने के साथ, शरीर को अन्य कई फायदे भी पहुंचाती है। इसे करने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी योगा टीचर दिलराज प्रीत कौर दे रही हैं।

तनाव को कम करने के लिए

इसे करने के लिए सबसे पहले सुखासन में बैठ जाएं।आप इसे वज्रासन में बैठकर भी कर सकती हैं। अब अपने अंगूठे की टिप से इंडेक्स फिंगर की टिप को छुएं।इससे एक सर्किल बनेगा। बाकी तीन उंगलियों को हथेली की तरफ मोड़ें।हाथों को जांघों पर टिका लें।ऐसा करते हुए, गहरी सांस लें और छोड़ें।

चिन्मय मुद्रा को करने के फायदे

इसे करने से फोकस में सुधार होता है। यह मुद्रा, लाइफ एनर्जी यानी प्राण के प्रवाह को शरीर की तरफ बढ़ाती है। इससे फोकस और मेंटल हेल्थ में सुधार होता है। इसे करने से दिमाग शांत होता है, एंग्जायटी और स्ट्रेस दूर होता है। इसे करने से कमजोरी दूर होती है और शरीर में एनर्जी बढ़ती है। इस मुद्रा को करने से आपको मन में शांति महसूस होती है और मेडिटेशन करना आसान होता है। इसे करने सेडाइजेशन सुधरताहै और न्यूट्रिएंट्स का अब्जॉर्बशन अच्छा होता है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह मुद्रा शरीर को पांचों तत्वों को बैलेंस करने में मदद करती है। जिन लोगों को नींद आने में मुश्किल होती है, उन्हें इसे जरूर करना चाहिए।

चैन की नींद मिलेगी वास्तु के इन उपायों से

वास्तु की मानें तो हम जिस वातावरण में सोते हैं वह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तु के प्रमुख पहलुओं में से एक यह है कि आप सोते समय कुछ वस्तुएं अपने आस-पास या सिरहाने न रखें।

सोते समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पास न रखें

वास्तु-अनुरूप बेडरूम का माहौल बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उस स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रबंधन करना है। स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्सर्जित करते हैं, जो आपकी नींद के पैटर्न को बाधित कर सकते हैं और आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार इन उपकरणों को सोने वाले स्थान से दूर रखना चाहिए। इन गैजेट्स द्वारा उत्पन्न विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र आपके घर में वास्तु दोष का कारण माना जाता है।

सोते समय किताबें और जरूरी कागजात न रखें पास

हम अक्सर किताबें पढ़ते हुए सो जाते हैं और ये हमारे सोने के स्थान पर रखी रहती हैं। यदि हम वास्तु की मानें तो आपको किताबें कभी सोने वाले स्थान के आस-पास नहीं रखनी चाहिए। यही नहीं आपको कोई भी जरूरी कागज़ जैसे कोई बिल या फिर ऐसा कोई कागज़ जिसमें आपके काम का कोई भी नोट लिखा हो उसे आस-पास नहीं रखना चाहिए। इससे वास्तु दोष होता है। इससे आपकी नींद में बाधा आती है और बौद्धिक विकास में भी बाधा आती है।

सोते समय नुकीली चीजें न रखें आस-पास

आपको कभी भी सोने के स्थान पर कैंची, चाकू और अन्य नुकीली चीजें नहीं रखनी चाहिए। वास्तु शास्त्र इन वस्तुओं को नकारात्मक ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में देखता है जो आपके जीवन में तनाव और चिंता पैदा कर सकते हैं। अपने बिस्तर के पास नुकीली वस्तुएं रखना प्रतीकात्मक रूप से आपके जीवन में संभावित संघर्षों या बाधाओं का प्रतिनिधित्व कर सकता है। वास्तु की मानें तो नुकीली वस्तुओं की उपस्थिति बेचैनी की भावना पैदा कर सकती है, जो सोने से पहले मन की शांतिपूर्ण स्थिति प्राप्त करने के लिए प्रतिकूल है।

पैसे या पैसों से भरा पर्स न रखें आस-पास

ऐसा माना जाता है कि सोते समय आपको अपने पास पैसे भी नहीं रखने चाहिए और पर्स रखने से भी बचना चाहिए। दरअसल पैसों को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है और यदि आप इन्हें सोने के स्थान पर रखते हैं तो ये माता लक्ष्मी का अपमान होता है। इससे आपके जीवन में आर्थिक समस्याएं हो सकती हैं और धन हानि हो सकती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'मीट द पैरेंट्स' का चौथा पार्ट करेंगे 81 बरस के रॉबर्ट डी नीरो, नया टाइटल भी आया सामने

हॉलीवुड की एक फ्रैंचाइज फिल्म 'मीट द पैरेंट्स' का चौथा पार्ट नए नाम से बनेगा। इसका ऑफिशियल टाइटल भी तय हो चुका है। इस फिल्म में 81 साल के दिग्गज एक्टर रॉबर्ट डी नीरो नजर आएंगे। हॉलीवुड एक्टर रॉबर्ट डी नीरो 81 साल के होने के बावजूद भी फिल्मों में सक्रिय है। जल्द ही वह फिल्म 'मीट द पैरेंट्स' के चौथे पार्ट में नजर आएंगे। साल 2000 में रिलीज हुई इस फिल्म में भी उन्होंने ही लीड रोल निभाया था। रॉबर्ट डी नीरो की नई फिल्म का टाइटल भी बदला गया है। रॉबर्ट डी नीरो और बेन स्टिलर स्टारर 'मीट द पैरेंट्स' फ्रैंचाइज की चौथी फिल्म का टाइटल 'फॉकर इन-लॉ' रखा गया है। इस फिल्म का डायरेक्शन जॉन हैम्बर्ग ने किया है। जॉन ने ही पहली तीन फिल्मों की राइटिंग में भी बतौर को-राइटर काम किया था। 'फॉकर इन-लॉ' फिल्म 25 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वैरायटी की खबर के अनुसार नई फिल्म का टाइटल बेन स्टिलर के किरदार ग्रेग फॉकर के सरनेम पर रखा गया है। फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी यह जानकारी इंस्टाग्राम पर भी साझा की है। फिल्म 'फॉकर इन लॉ' को जेन रोसेन्थल और डी नीरो ने अपने प्रोडक्शन बैनर ट्रिबेका प्रोडक्शंस तले बना रहे हैं। नई फिल्म में सिंगर, एक्ट्रेस एरियाना ग्रांडे भी हैं। वह 'फॉकर इन लॉ' का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। रॉबर्ट डी नीरो और बेन स्टिलर की बात करें तो वह 'मीट द पैरेंट्स' सीरीज की पिछली दोनों फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। फिल्म 'मीट द पेरेंट्स' फ्रैंचाइज़ी की शुरुआत 2000 में हुई थी, जिसके बाद 2004 और 2010 में 'मीट द फॉकर्सऱ और 'लिटिल फॉकर्स' टाइटल से दो और फिल्में रिलीज हुईं।

टॉलीवुड

श्रीलंकन तमिल समर्थक पार्टी की नाराजगी पर सफाई जारी की 'किंगडम'के मेकर्स ने

विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन नहीं बल्कि श्रीलंकन तमिल से जुड़े एक विवाद के कारण चर्चा में है। इस पूरे विवाद पर मेकर्स ने अपना पक्ष भी रखा है। साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा की हालिया रिलीज फिल्म 'किंगडम' बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ा कलेक्शन नहीं कर पा रही। लेकिन यह फिल्म एक विवाद में उलझती नजर आ रही है। फिल्म 'किंगडम' पर श्रीलंकन तमिलों का अपमान करने का आरोप लग रहा है। इस मामले में फिल्म के मेकर्स की सफाई भी सामने आई है। विजय देवरकोंडा स्टारर फिल्म 'किंगडम' के मेकर्स ने श्रीलंकन तमिल के अपमान वाली बात को लेकर अपना पक्ष रखा है। फिल्म को बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस सितारा एंटरटेनमेंट ने कहा, 'हम तमिल लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हैं। हम वादा करते हैं कि फिल्म में ऐसा कोई भी सीन नहीं है जो लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता हो। यह कहानी पूरी तरह से एक काल्पनिक कहानी है। इसका जिक्र फिल्म के डिस्क्लेमर में भी किया गया है।' मेकर्स आगे कहते हैं, 'अगर फिर भी लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, तो हमें इस बात के लिए खेद है। हम आपसे रिक्वेस्ट करते हैं कि फिल्म को सपोर्ट करें।' तमिल काची यानी एनटीके (एक तमिल समर्थक पार्टी) के कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु के मदुरै और त्रिची के थिएटर के बाहर 'किंगडम' फिल्म को लेकर प्रोटेस्ट किया। फिल्म को बैन करने की मांग की। इस पार्टी के सचिव सरवनन का कहना है, 'यह फिल्म लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) के फाइटर्स और ईजाम तमिलों का अपमान करती है। फिल्म में हिस्ट्री को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की गई है।

भोजपुरी

'लालू जी की लव स्टोरी' का ट्रेलर जारी, 20 लाख का लालच देकर ले आए घर की लक्ष्मी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर यश कुमार दर्शकों को फिर से एंटरटेन करने के लिए आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'लालू जी की लव स्टोरी' का धमाकेदार ट्रेलर आया है, जिसमें थोड़ा रोमांस है, थोड़ा फन और थोड़ा रोना-धोना। इस फिल्म के जरिए वह समाज को एक मैसेज देने की कोशिश भी कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर लोगों को भी खूब पसंद आ रहा है। भोजपुरी फिल्म 'लालू जी की लव स्टोरी' के ट्रेलर में यश कुमार के अपोजिट निधि झा हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे इंसान पर फिल्माई गई है, जिसके गंजेपन के कारण शादी नहीं हो पा रही। उसे जो लड़की पसंद करती, उसके घरवाले रिश्ते के लिए राजी नहीं होते। इसके बाद हीरो की मां की तबीयत खराब हो जाती है और वह बेटे की शादी देखने की इच्छा जताती है। जिसके बाद हीरो एक स्कीम निकालता है। यश कुमार फिल्म के हीरो हैं। मूवी में शादी के लिए वह ऑफर रखते हैं कि जो लड़की उनसे शादी करेगी, उसे एक साल के लिए 20 लाख रुपये मिलेंगे। इसके लिए एक लड़का अपनी गर्लफ्रेंड को मना लेता है। वह पैसों के खातिर राजी हो जाती है। मगर ससुरालवालों के साथ रहकर उसे अपनापन महसूस होता है और वह हीरो को पसंद करने लगती है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलता है, जो यश कुमार ने किया है। इस मूवी में निधि और यश के अलावा, विजय चौहान, प्रियंका सिंह, स्निग्धा सरकार और खुशबू जैन जैसे कई कलाकार शामिल हैं।

हाई-प्रोफाइल बीआरडीएस अहमदाबाद फैशन वीक चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां बेहतरीन भारतीय, पश्चिमी, पहनने योग्य और अत्याधुनिक परिधानों को रैंप पर प्रदर्शित किया गया। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर शी लोबो द्वारा निर्देशित इस दो दिवसीय शओ में 5000 से ज़्यादा लोगों ने भाग लिया और 250 से ज़्यादा डिज़ाइनरों, 50 से ज़्यादा प्रभावशाली लोगों, 40 से ज़्यादा फैशन शो, 36 से ज़्यादा सुपरमॉडल्स और 12 से ज़्यादा बाल मॉडलों ने हिस्सा लिया।

वैक्सिंग करने के बाद करें ये काम

हाथ-पैरों से बाल निकलवा देने के बाद त्वचा मुलायम लगने लगती है। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि वैक्सिंग के चंद ही दिनों में त्वचा की चमक खोने लगती है। अगर आप जरा-सी गलती करें, तो आपका पूरा एक्सपीरियंस खराब हो सकता है। वैक्सिंग के बाद, त्वचा का ख्याल रखने से ही वो जवां नजर आएगी और निखार दिखेगा। अधिकांश महिलाएं वैक्सिंग के बाद त्वचा की देखभाल नहीं करती हैं और इसी के चलते रैशेज, ड्राईनेस, वैक्सिंग बंप्स आदि नजर आने लगते हैं। सेलिब्रिटी डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. चित्रा आनंद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर वैक्सिंग आफ्टर केयर के बारे में बताती हैं। उनके मुताबिक, वैक्सिंग के बाद, त्वचा का खासतौर से ख्याल रखना चाहिए। अगर आप स्किन को किसी तरह के डिस्कम्फर्ट से बचाना चाहती हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान देना चाहिए। अच्छे लोशन लगाने से लेकर सही कपड़े पहनने तक वैक्सिंग के बाद आपको अन्य किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, आइए जानें।

वैक्सिंग के बाद माइल्ड क्लींजर से करें त्वचा को साफ

वैक्सिंग के बाद त्वचा में थोड़ी-सी खुजली होना सामान्य है। क्या आप स्किन को स्क्रैच करने लगती हैं? या बार-बार गंदे हाथों से हाथ-पैरों को छूती हैं? ऐसा बिल्कुल न करें। वैक्सिंग के बाद किसी तरह के इंफेक्शन से बचने के लिए ऐसा नहीं करना चाहिए। इसके अलावा हमेशा एक माइल्ड, फ्रैगरेंस फ्री क्लींजर से त्वचा को साफ करें और त्वचा पर यदि वैक्स छूट गई है, तो उसे साफ करें।

वैक्सिंग के बाद ढीले कपड़े पहनें

फिटेड कपड़े पहनना गलत नहीं है, बस आपको वैक्सिंग के बाद टाइट और फिटेड कपड़े नहीं पहनने चाहिए। इससे आपकी त्वचा पर फ्रिक्शन होगा और हाथ या पैर में जलन या रैशेज पड़ सकते हैं। वैक्सिंग के बाद ढीले कपड़े पहनें। इससे त्वचा को सांस लेने में मदद मिलेगी और डिस्कम्फर्ट या अक्सर होने वाली इनग्रोन हेयर की समस्या नहीं होगी। असुविधाजनक घर्षण और जलन से बचने के लिए वैक्स के बाद कुछ दिनों के लिए बैगी यानी ढीले कपड़े ही पहनें।

वैक्सिंग के बाद ठंडे पानी से नहाएं

हॉट बाथ लेना या स्टीम रूम में बैठना आपको भी अच्छा लगता होगा। मगर एक चीज का ध्यान रखें कि वैक्सिंग के बाद हॉट बाथ नहीं लेना चाहिए। गर्म पानी से त्वचा में जलन पैदा हो सकती है। वैक्सिंग के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाएं या ठंडे पानी से त्वचा को साफ करें। इससे जलन कम होगी और त्वचा को आराम मिलेगा।

फुल घेरे वाले सूट डिजाइन लुक में लगाएंगे चार चांद

लगभग हर एक दिन हम सूट पहनना पसंद करते हैं और इसके कई डिजाइंस भी आपको कई मिल जाएंगे। वहीं लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की बात करें तो आजकल एक्सपेरिमेंटल फैशन का दौर चल रहा है, जिसे हम जैसे कई लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं। दौर की बात करें तो आजकल फुल घेरे वाले सूट को काफी पसंद किय जा रहा है। अगर आप भी अपने सूट लुक को थोड़ा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो हम आपको दिखाने वाले हैं फुल घेरे वाले सूट के लेटेस्ट डिजाइंस, जिन्हें आप रोजाना से लेकर किसी छोटे-बड़े फंक्शन के लिए स्टाइल कर सकती हैं और अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं। साथ ही बताएंगे इन लुक्स को स्टाइल करने के आसान टिप्स।

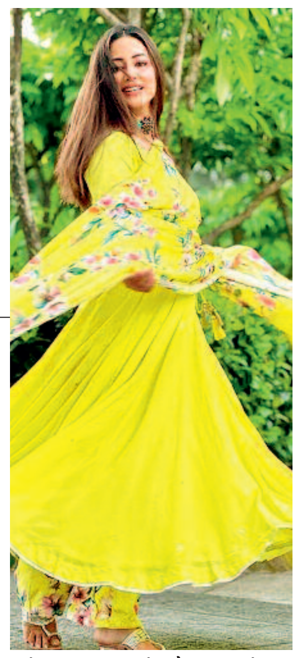

नायरा कट सूट डिजाइन

मार्केट में आजकल इस तरह के नायरा कट काफी चलन में नजर आ रहे हैं। इस सूट को डिजाइनर गोपी वैद ने डिजाइन किया है। इस तरह का मिलता-जुलता सूट आपको मार्केट में लगभग 800 रुपये से लेकर 1500 तक में आसानी से मिल जाएगा। इस तरह के सूट के साथ आप बालों के लिए वेवी ओपन हेयर स्टाइल चुनें और पर्ल ज्वेलरी को स्टाइल करें।

अनारकली स्टाइल सूट डिजाइन

अनारकली सूट का चलन एवरग्रीन रहता है। इस कलीदार सूट को डिजाइनर ड्रेजी रिद्धि सूरी द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरह का मिलता-जुलता सूट आपको मार्केट में लगभग 1000 रुपये से लेकर 2000 रुपये में मिल जाएगा। इस तरह के सूट के साथ आप हैवी झुमकी इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं। साथ ही बालों के लिए आप स्लीक बन हेयर स्टाइल या ओपन हेयर स्टाइल को चुनें।

अगर चाहिए मेहंदी का गाढ़ा रंग तो अपनाएं घरेलू नुस्खे

अब बाजार में रेडीमेड मेहंदी के कोन उपलब्ध रहते हैं, जिसे कुछ रुपये में खरीद कर मेहंदी लगाई जा सकती है। इस कोन को खरीदना तो आसान है लेकिन इससे कई बार मेहंदी का रंग ज्यादा अच्छा नहीं चढ़ता। मेहंदी का डार्क रंग लाना चाहती हैं तो कोशिश करें कि मेहंदी को घर पर घोलकर तैयार करें। इसके साथ ही आप मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने के लिए दादी-नानी के बताए गए घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं।

चायपत्ती के पानी का करें इस्तेमाल

अगर आपकी मेहंदी घोलने जा रही हैं तो उसे सादे पानी सी बजाए चाय पत्ती के पानी में घोलें। इससे मेहंदी का रंग काफी डार्क आएगा। इसके लिए आपको पिसी हुई मेहंदी कम दामों में बाजार में मिल जाएगी।

नींबू का रस

मेहंदी का रंग डार्क करने के लिए मेहंदी घोलते वक्त ही इसमें 3 से 4 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इससे भी मेहंदी के रंग में बदलाव आएगा।

विक्स

अगर आपकी मेहंदी का रंग डार्क नहीं होता है तो आप विक्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले मेहंदी को हाथों मे लगा लें। जब इसे छुड़ाएं तो कुछ देर के लिए विक्स को हाथों में लगाएं। विक्स लगाने के पहले हाथों को गीला ना करें।

लौंग

मेहंदी सूखने के बाद एक तवे पर लौंग डालें और जब इससे धुआं निकलने लगे तो इस धुएं से हाथ सेकें। इससे आपकी मेहंदी का रंग गाढ़ा हो जाएगा।
सरसों का तेल

घर पर केराटिन करके बचाएं हजारों रुपये, जानें इसका सही

शायद ही कोई ऐसी महिला होगी, जिन्हें काले, मजबूत और शाइनी बाल पसंद नहीं होंगे लेकिन बढ़ते प्रदूषण की वजह से बाल काफी डल और डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में इन बालों को नेचुरल तरह से खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं कई तरह के हेयर ट्रीटमेंट लेती हैं, इन ट्रीटमेंट में केराटिन भी शामिल है। ये एक ऐसा ट्रीटमेंट ही, जिसको कराने से बालों की नेचुरल खूबसूरती बरकरार रहती है। हालांकि इसे कराने में हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। जी हां, केराटिन ट्रीटमेंट में बालों की लंबाई के अनुसार पैसे लगते हैं। इसकी शुरुआत ही 4 हजार से होती है। ऐसे मे अगर आपका केराटिन कराने का मन है, लेकिन आपके पास पैसे नहीं हैं तो ये लेख आपके लिए है। दरअसल, आज के लेख में हम आपको घर पर ही केराटिन करना सिखाएंगे, ताकि आपको घर पर ही पार्लर जैसा रिज्लट मिल जाए। घर पर केराटिन करने में आपका समय और पैसा दोनों बचेंगे।

क्या होता है केराटिन ट्रीटमेंट

आपको बता दें कि जब बालों में प्रोटीन की मात्रा खत्म

होने लगती है, और उस वजह से बाल डैमेज होने लगते हैं तो महिलाएं केराटिन ट्रीटमेंट कराती हैं। इस ट्रीटमेंट में बालों पर एक क्रीम की लेयर लगाई जाती है, जिसे बालों पर अच्छे से लगाया जाता है। इस ट्रीटमेंट के बाद बालों में साधारण शैंपू इस्तेमाल नहीं किया जाता। इस ट्रीटमेंट को आप घर पर भी कर सकते हैं। आइए आपको इसका तरीका बताते हैं। केराटिन मास्क बनाने के लिए सबसे पहले से एक चौथाई कटोरी एलोवेरा जेल लें। इसमें एक चौथाई कटोरी उबले चावल, चार से पांच चम्मच दही, एक विटामिन ई कैप्सुल और एक चम्मच जैतून के तेल मिलाकर इनकी पेस्ट बना लें। ये आपका मास्क तैयार है।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में बालों का लुक भी रखता है अहमियत

बालों में रिबॉन्डिंग कराना चाहते हैं तो पहले इन बातों को जान लें, मिलेगा बेस्ट रिजल्ट

पुरुष भी अब रिबॉन्डिंग कराते हैं और कई दफा बिना सोचे-समझे भी करा लेते हैं। लेकिन रिबॉन्डिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है जिसको कराने से पहले हेयर केयर टिप्स जरूर आजमा लेने चाहिए। इन टिप्स के बिना रिबॉन्डिंग का बालों पर असर अच्छा नहीं होगा और इस महंगे ट्रीटमेंट को कराकर आप सिर्फ पछताएंगे ही। इसलिए रिबॉन्डिंग कराने से पहले इन कुछ बातों को ध्यान कर लीजिए।

नुकसान के लिए रही तैयार

रिबॉन्डिंग के बाद बाल सीधे और फ्रिज फ्री हो जाते हैं। लेकिन इस ट्रीटमेंट के नुकसान भी हो सकते हैं। इससे बाल कमजोर हो सकते हैं। इसलिए एक्सपर्ट की राय के बाद ही इस ट्रीटमेंट के लिए आगे बढ़ें।
टच अप हो जाता है जरूरी
रिबॉन्डिंग में बाल हमेशा ही सीधे रहते हैं, ऐसा एक्सपर्ट कहते हैं और ये सही भी है लेकिन। ये बात नए निकले बालों के लिए सही नहीं है। नए निकलने वाले बालों के लिए आपको टच अप कराना होगा जो

आपके बालों को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसलिए सोच समझ कर ही ये ट्रीटमेंट लें.

महंगे प्रोडक्ट पर खर्चा

रिबॉन्डिंग से होने वाले नुकसान से बचने के लिए ही महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। इन महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने के लिए खूब खर्चा करना होगा। इसके लिए भी तैयार रहिए।

72 घंटे वाला नियम

रिबॉन्डिंग कराने के बाद 72 घंटे वाला नियम भी लागू हो जाता है। दरअसल ट्रीटमेंट को बालों पर अच्छे से असर करने के लिए अगले 72 घंटे बालों को धोना नहीं होता है। ये बहुत जरूरी नियम है।

हीट ट्रीटमेंट से रहें दूर

रिबॉन्डिंग के बाद आपको किसी भी तरह के हीट ट्रीटमेंट से दूर रहना होगा। अगर आप ड्रायर या स्ट्रेटनर इस्तेमाल करते हैं तो इन्हें बंद करना होगा, क्योंकि इससे बालों को ज्यादा नुकसान होगा।